केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब www.bhartiyabasti.com और उसका छपा संस्करण सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :46 अंक 337 सोमवार 7 जुलाई 2025 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

गरीबों की संख्या बढ़ रही, पैसा कुछ अमीरों के हाथों में केंद्रित हो रहा है–गडकरी

मुम्बई (आभा)। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने श्गरीबों की बढ़ती संख्याश पर चिंता जताते हुए कहा कि धन कुछ अमीर लोगों के हाथों में केंद्रित हो रहा है। नागपुर में एक कार्यक्रम के दौरान गडकरी ने कहा कि धन के विकेंद्रीकरण की आवश्यकता है, जहां उन्होंने कृषि, विनिर्माण, कराधान और बुनियादी ढांचे के विकास में सार्वजनिक–निजी भागीदारी (पीपीपी) सहित कई मुद्दों पर बात की।

उन्होंने कहा, 'धीरे–धीरे गरीब लोगों की संख्या बढ़ रही है और धन कुछ अमीर लोगों के हाथों में केंद्रित होता जा रहा है। ऐसा नहीं होना चाहिए।' अर्थव्यवस्था को इस तरह से विकसित होना चाहिए कि रोजगार पैदा हो और ग्रामीण क्षेत्रों का उत्थान हो। उन्होंने कहा, श्हम एक ऐसे आर्थिक विकल्प पर विचार कर रहे हैं जो रोजगार पैदा करेगा और अर्थव्यवस्था की वृद्धि को बढ़ावा देगा। धन के विकेंद्रीकरण की आवश्यकता है और इस दिशा में कई बदलाव हुए हैं।''

वरिष्ठ भाजपा नेता ने उदार आर्थिक नीतियों को अपनाने के लिए पूर्व प्रधानमंत्रियों पी वी नरसिम्हा राव और मनमोहन सिंह को भी श्रेय दिया, लेकिन अनियंत्रित केंद्रीकरण के खिलाफ चेतावनी दी। उन्होंने कहा, ''हमें इसके बारे में चिंतित होना चाहिए।श्श भारत की आर्थिक संरचना का उल्लेख करते हुए उन्होंने सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में क्षेत्रीय योगदान में असंतुलन की ओर इशारा किया। उन्होंने कहा, 'विनिर्माण क्षेत्र 22–24 प्रतिशत, सेवा क्षेत्र 52–54 प्रतिशत योगदान देता है, जबकि कृषि, ग्रामीण आबादी के 65–70 प्रतिशत हिस्से को शामिल करने के बावजूद, केवल 12 प्रतिशत योगदान देती है।श्श उन्होंने चार्टर्ड अकाउंटेंट्स (सीए) की उभरती भूमिका पर प्रकाश डाला।

मुसलमानों के पूर्वज हिंदू थे–बाबा रामदेव

लखनऊ (आभा)। यूपी में कांवड़ यात्रा मार्ग में स्थित होटलों मालिकों के नाम लिखने का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। इसे लेकर अब योग गुरु बाबा रामदेव ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कांवड़ यात्रा मार्ग पर स्थित भोजनालयों में मालिकों के नाम प्रदर्शित करने के उत्तर प्रदेश सरकार के निर्देश का समर्थन किया है। रामदेव का कहना है कि पहचान छिपाना हर दृष्टि से गलत है।

मुसलमानों को मुस्लिम होने पर गर्व होना चाहिए। उनकी पूर्वज हिंदू थे इसलिए उन्हें नाम बताना चाहिए।

कांवड़ यात्रा मार्ग में स्थित होटल मालिकों के नाम प्रदर्शित करने को लेकर बाबा रामदेव ने कहा, 'स्वामी रामदेव को हिंदू और सनातन होने पर गर्व है है। ऐसे ही सभी मुसलमानों को मुस्लिम होने पर गर्व होना चाहिए और ये भी गर्व होना चाहिए कि सभी मुसलमानों के पूर्वज हिंदू हैं इसलिए अपना नाम छिपाने में कुछ भी नहीं रखा है। इसलिए नाम बताना चाहिए।

डॉ.श्यामा प्रसाद मुखर्जी के योगदान पर विमर्श: रोपे पौध

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। रविवार को सल्टौआ गोपालपुर विकास खण्ड के सभागार में भाजपा के पदाधिकारियों द्वारा डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर संगोष्ठी आयोजित किया एवं एक पेड़ माँ के नाम कार्यक्रम के अंतर्गत वृक्षारोपण किया गया ।

मुख्य अतिथि भाजपा नेता प्रमोद पाण्डेय नें डॉ श्यामा प्रसाद के जीवन पर प्रकाश डालते हुए उनके बलिदान को याद दिलाया। भाजपा युवा मोर्चा के निवर्तमान राष्ट्रीय कार्यसमिति सदस्य अभिनव उपाध्याय ने मुखर्जी जी के छात्र जीवन से लेकर राष्ट्र हित में दिए गए बलिदानों पर चर्चा की और कहा कि आज उनके सपने एक देश में दो विधान दो निशान और दो प्रधान को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी नें धारा 370 को हटाकर साकार किया है।

इसी क्रम में भाजपा नेता चंद्रभान गुप्ता , सत्येंद्र शुक्ला , कृपा शंकर श्रीवास्तव , रविंद्र शुक्ला, सुनील पाण्डेय, जमुना पाण्डेय, विजय नारायण शुक्ल, पवन दीप अग्रहरि, हर्ष त्रिपाठी, सोनू अग्रहरि, उमेश कन्नोजिया, शिव कुमार चौधरी, विजय पांडेय, राजा शर्मा, विवेक शुक्ल सुखराम, राम मूर्ति वर्मा, अशोक मिश्र, गिरीश शुक्ल सहित अनेक पदाधिकारी, कार्यकर्ता शामिल रहे।

भाकियू की बैठक में छाया रहा यूरिया और डीएपी खाद के कालाबाजारी का मुद्दा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । भारतीय किसान यूनियन की मासिक बैठक पूर्वान्चल अध्यक्ष अनूप चौधरी की अध्यक्षता में रविवार को आयोजित की गई। शिवा कालोनी स्थित शिविर कार्यालय में हुई बैठक में किसानों की समस्याओं पर चर्चा की गई।

बैठक में यूरिया और डीएपी खाद की कालाबाजारी, खाद के साथ अन्य उत्पादों को जबरिया बेचे जाने का मुद्दा छाया रहा। पूर्वान्चल अध्यक्ष अनूप चौधरी ने कहा कि परिषदीय विद्यालयों को बंद करने का निर्णय दुर्भाग्यपूर्ण है। सरकार इसे तत्काल वापस ले।

भाकियू प्रदेश सचिव दिवान चन्द पटेल ने रूधौली और वाल्टरगंज चीनी मिल पर बकाया गन्ना मूल्य का मुद्दा उठाया। कहा कि भुगतान न हुआ तो किसान आन्दोलन को बाध्य होंगे।

मण्डल अध्यक्ष महेन्द्र चौधरी, प्रदेश उपाध्यक्ष सुभाष चन्द्र किसान ने सरकार पर किसान विरोधी रवैया अपनाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि बिजली के निजीकरण से खेती की लागत बढ़ेगी। गन्ना मूल्य में वृद्धि न होने और चीनी मिलों पर करोड़ों रुपये बकाया होने का मुद्दा भी उठाया गया। संगठन ने चेतावनी दी कि अगर सरकार ने इन समस्याओं का समाधान नहीं किया तो आंदोलन किया जाएगा।

बैठक में पूर्वान्चल सचिव शोभाराम ठाकुर, जर्नादन मिश्र, मंडल उपाध्यक्ष जयराम वर्मा और मंडल महासचिव हृदयराम वर्मा, डा. आर. पी. चौधरी, बस्ती जिलाध्यक्ष गौरीशंकर चौधरी, संतकबीरनगर जिलाध्यक्ष राम सागर, सिद्धार्थनगर जिलाध्यक्ष प्रदीप के साथ ही रामचन्दर सिंह, राजेन्द्र कुमार, रमेश चौधरी,जिलाध्यक्ष गौरीशंकर चौधरी के साथ ही भाकियू के अनेक पदाधिकारी, कार्यकर्ता शामिल रहे।

युगों तक याद किया जायेगा डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का योगदान- राजेन्द्रनाथ तिवारी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। रविवार को डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय जिगिना के प्रांगण में श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयन्ती मनायी गई। विद्यालय के प्रबंधक राजेन्द्र नाथ तिवारी प्रधानाचार्य सुजीत कुमार लिपिक संतोष कुमार धर द्विवेदी व सहायक अध्यापक राम सागर यादव राघवेंद्र कुमार भट्ट प्रतिभा भारती रुखसाना खातून लीलावती ज्ञानमती दुर्गावती इंद्रावती बृजेश कुमार राघव राम आदि ने श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर श्रद्धा सुमन अर्पित करउनके व्यक्तित्व व कृतित्व और योगदान को स्मरण किया।

विद्यालय प्रबंधक एवं राजेन्द्र नाथ तिवारी ने कहा महानता, सहजता, कर्मठता और राष्ट्रवाद डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की पूंजी थीं, सिद्धांतो के लिए सत्ता को लात मारने का उदात्त विचार ही उनको देश के अन्य नेताओं से अलग करता है। डा श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने देश में सबसे कम उम्र में कुलपति का भी दायित्व संभाला. आज केंद्र और अधिकांश प्रर्देशों में उनके अनुयायियों की सरकारे है। आज कश्मीर में जो कुछ हुआ उसका श्रेय डॉ मुखर्जी के संघर्षो को जाता है। कहा कि उनका योगदान युगों तक याद किया जायेगा। सुजीत कुमार, राम सागर यादव, राघवेंद्र भट्ट, संतोष दूबे आदि ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के योगदान पर प्रकाश डाला।

राष्ट्रीय बजरंग दल के पदाधिकारी घोषित: बैठक में हिन्दू हितों पर चर्चा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। रविवार को अन्तर्राष्ट्रीय हिन्दू परिषद और राष्ट्रीय बजरंग दल की सामूहिक बैठक बस्ती सुगर मिल के निकट स्थित एक मैरेज हाल के सभागार में संरक्षक प्रमोद पाण्डेय की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में हिन्दू हितों पर व्यापक विचार विमर्श के साथ ही संगठन का विस्तार किया गया।

राष्ट्रीय बजरंग दल के जिलाध्यक्ष मनमोहन त्रिपाठी ने बताया कि सर्व सम्मत से धमेन्द्र कन्नौजिया को विधि प्रकोष्ठ का अध्यक्ष, अजय यादव वरिष्ठ उपाध्यक्ष, अमित सिंह, मृत्युजय वरिष्ठ उपाध्यक्ष, कुलदीप चौधरी, राममणि, सुरेश यादव उपाध्यक्ष, प्रिन्स महामंत्री, सुमित त्रिपाठी, रूबी गौतम, अजीत गिरी को जिला मंत्री का दायित्व सौंपा गया। इसी कड़ी में राष्ट्रीय बजरंग दल के बस्ती नगर इकाई में राहुल चौधरी अध्यक्ष, अंशुमान नगर अध्यक्ष रूधौली को दायित्व सौंपा गया। बैठक में अभिषेक कुमार अन्तर्राष्ट्रीय हिन्दू परिषद में शामिल हुये।

बैठक में मुख्य रूप से पंकज श्रीवास्तव, स्नेह पाण्डेय, अजय मिश्र, सोनू चौहान, विनोद निषाद, अनिल प्रजापति, अभिषेक कुमार, वशिष्ठ मुनि, राकेश कुमार, विकास चौधरी, अजय चौधरी, संदीप गौड, सन्नी यादव, राजेन्द्र गौतम, रितेश श्रीवास्तव, मनीष श्रीवास्तव आदि उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय चेतना के प्रवर्तक थे श्यामा प्रसाद मुखर्जी–सत्येन्द्र सिंह भोलू

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । रविवार को रुधौली विधानसभा क्षेत्र के हनुमानगंज मण्डल के गोठवा ग्राम सभा में भारतीय जनता पार्टी द्वारा जनसंघ के संस्थापक डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी के जन्म दिवस पर आयोजित गोष्ठी का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश कार्यसमिति सदस्य सत्येंद्र सिंह भोलू रहे ने कहा कि डॉ. मुखर्जी उस राष्ट्र चेतना के प्रवर्तक थे, जिन्होने भारत को केवल भूगोल नहीं, एक संकल्प के रूप में देखा। उनके चिंतन में भारत की एकता थी, और उनके संघर्ष में राष्ट्र की अखंडता का संकल्प।

कहा कि "एक देश, एक विधान, एक प्रधान" यह कोई राजनीतिक नारा नहीं, भारत के स्वाभिमान की वह वाणी थी, जिसे उन्होंने अपने प्राणों की आहुति देकर अमर किया। कहा कि जिस धारा से डॉ. मुखर्जी ने विचारों का दीप जलाया, उसी वैचारिक प्रकाश में भारतीय जनता पार्टी की नींव पड़ी। भाजपा केवल सत्ता का माध्यम नहीं, सेवा, राष्ट्रवाद और सांस्कृतिक अस्मिता का जीवंत संकल्प है। यह वही विचार है, जो कहता है कि राष्ट्र सर्वोपरि है, संविधान की गरिमा सर्वोच्च है, और भारत की एकता अटूट है। उन्होंने विस्तार पूर्वक बताया कि आज जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदीजी के नेतृत्व में भारत आत्मनिर्भरता से विकसित राष्ट्र की ओर अग्रसर है, तब डॉ. मुखर्जी जैसे महापुरुष हमारे वैचारिक पथप्रदर्शक और राष्ट्रनिर्माण की प्रेरणा हैं।

कार्यक्रम का संचालन मण्डल महामंत्री सुधाकर सिंह ने किया।

गोष्ठी में आनन्द प्रताप सिंह, लालचंद विश्वकर्मा, हरेन्द्र पाल,अजय मिश्रा अजेय और वेदप्रकाश तिवारी ने भी अपने विचार रखे।

इस दौरान पंकज सिंह, उमाशंकर सिंह पिंटू, अश्वनी सिंह, प्रेमचंद, सुभाष चंद्र,रामयज्ञ, रामविलास चौधरी,शिवकरन राजभर, सतीश राजभर, ओरी यादव, रामनरायण, जगन्नाथ यादव, राहुल चौधरी, अनवर अली, लालजी, विश्वनाथ, चंद्रशेखर, मायाराम, हरि प्रसाद ,छोटेलाल, दिनेश, भालचंद्र, रमेश,गोपाल, फूलचंद, विजय, शिवनाथ, हरदेव और गुरुदेव सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

अनुराग लक्ष्य पत्रिका के स्थापना दिवस पर विभूतियां सम्मानित पत्रिकाओं के भविष्य, रचनाधमिता पर चर्चा: छा गये कवि शायर

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । रविवार को प्रेस क्लब सभागार में साहित्यिक सामाजिक सन्दर्भो से जुड़ी मासिक पत्रिका अनुराग लक्ष्य का 30 वां स्थापना सम्पादक विनोद उपाध्याय के संयोजन में संकल्पों के साथ विभितियों को सम्मानित करने, कविता, शायरी के बीच मनाया गया। मुख्य अतिथि विधायक राजेन्द्र चौधरी ने कहा कि अनुराग लक्ष्य ने साहित्यिक सरोकारों को जीवन्त किया है। यह यात्रा जनसहयोग से अनवरत जारी रहेगी। कहा कि ऐसे समय में जबकि साहित्यिक पत्रिकाये लगातार बंद हो रही हैं, अनुराग लक्ष्य का प्रकाशित होते रहना एक बड़ी उपलब्धि है।

वरिष्ठ साहित्यकार डा. रामकृष्ण लाल 'जगमग', डा. वी.के. वर्मा, नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि अंकुर वर्मा, प्रदीप चन्द्र पाण्डेय, डा. मुकेश कुमार मिश्र, त्रिभुवन प्रसाद मिश्र, आदि ने अनुराग लक्ष्य की विकास यात्रा पर विस्तार से प्रकाश डाला। सम्पादक विनोद उपाध्याय ने प्रकाशन यात्रा, चुनौतियों, उपलब्धियों और भविष्य की योजनाओं को साझा किया।

इस अवसर पर प्रकाश चन्द्र गुप्ता, डा. वी.के. वर्मा, सर्वेश श्रीवास्तव, संदीप शुक्ल, राकेश तिवारी, वशिष्ठ पाण्डेय, सुनील मिश्र, राजेन्द्र उपाध्याय, मकील अहमद, काजी मुनीर, डा. अजय किशोर, राजेश पाण्डेय, लवकुश सिंह, गोविन्द प्रजापति, संदीप गोयल, डा. मुकेश मिश्र, अनुराग श्रीवास्तव, जितेन्द्र पाठक, कालिन्दी तिवारी, राजकुमार श्रीवास्तव, राकेश वर्मा, जितेन्द्र श्रीवास्तव, शक्तिशरण उपाध्याय, रवि कुमार पाण्डेय, मयंक कुमार उपाध्याय, अरूण कुमार,रामधीरज, आशुतोष प्रताप यदुवंश, मनोज यादव, जीत यदुंवश, अनिल त्रिपाठी, मुस्लिमा खातून, चन्द्र प्रकाश शर्मा, महेन्द्र तिवारी, संध्या दीक्षित, कृष्णदेव मिश्र, नित्यानन्द सिंह, राघवेन्द्र मिश्र पट्ट आदि को उनके योगदान के लिये सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में डा. रामकृपाल राय, डा. अमिताभ पाण्डेय, डा. रामकृष्ण लाल 'जगमग', ताजिर बस्तवी, प्रतिभा गुप्ता, फैज खलीलाबादी, सागर गोरखपुरी, महेश श्रीवास्तव, डा. अफजल हुसेन अफजल, डा. राजेन्द्र सिंह 'राही', डा. अजीत राज, दीपक सिंह प्रेमी, सुशील सिंह, अर्चना श्रीवास्तव, अजय श्रीवास्तव 'अश्क' आदि ने अपनी शायरी और कविताओं के माध्यम से वातावरण को जीवन्त किया। संचालन विनोद उपाध्याय और अध्यक्षता प्रकाश चन्द्र गुप्ता ने किया।

इस अवसर पर मुख्य रूप से अनुराग श्रीवास्तव, सुनील कुमार मिश्र, राघवेन्द्र मिश्र, संदीप गोयल, डा. अजय किशोर श्रीवास्तव, कृष्णदेव मिश्र, संध्या दीक्षित, अनिल त्रिपाठी, विशाल पाण्डेय, ब्रम्हदेव पाण्डेय, आशुतोष प्रताप यदुवंशी, मनोज कुमार यादव, देवेन्द्र पाण्डेय, अश्विनी तिवारी, गोकरन नारायण पाण्डेय, राकेश चन्द्र श्रीवास्तव 'बिन्नू', महेन्द्र तिवारी, रामधीरज सिंह, भानु प्रताप सिंह,ज्ञान प्रकाश चौधरी, राकेश तिवारी, लवकुश सिंह, राजेन्द्र उपाध्याय, सर्वेश कुमार श्रीवास्तव, राजकुमार श्रीवास्तव, विपिन बिहारी त्रिपाठी, जमुना यादव, गोविन्द प्रजापति, एल.के. पाण्डेय, बजरंग प्रसाद शुक्ल, शिवहंस सिंह, महेश तिवारी, प्रमोद कुमार, डा. नवीन सिंह, कालिन्दी , गरूणध्वज पाण्डेय, दिलीप कुमार गुप्ता, अंकित कुमार गुप्ता, अनिल पाण्डेय, जितेन्द्र कुमार श्रीवास्तव, दिलीप चन्द्र पाण्डेय, जितेन्द्र पाठक, गोविन्द प्रजापति के साथ ही बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

पुण्यतिथि पर याद किये गये पूर्व उपप्रधानमंत्री बाबू जगजीवन राम:भारत रत्न देने की मांग

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पूर्व उपप्रधानमंत्री बाबू जगजीवन राम को उनकी 39 वीं पुण्यतिथि पर समता दिवस के रूप में याद किया गया। कांग्रेस उपाध्यक्ष एवं भारतीय दलित वर्ग संघ के राष्ट्रीय सचिव साधू शरन आर्य के साथ पार्टी के अनेक नेताओं, कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस कार्यालय पर उनके चित्र पर माल्यार्पण के बाद जीवनवृत्त पर प्रकाश डाला। मांग किया कि बाबू जगजीवन राम को भारत रत्न से सम्मानित किया जाय।

भारतीय दलित वर्ग संघ के राष्ट्रीय सचिव साधुशरन आर्य ने कहा कि देश को आजाद कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले क्रांतिकारियों में बाबू जगजीवन राम का भी जिक्र आता है। भारत के उप प्रधानमंत्री और रक्षा मंत्री रहे बाबू जगजीवन राम ने ऐसे समय में दलित चेतना को स्वर दिया और सरकार में रहते हुए उनके हितों के लिए संघर्ष किया। जब दलित समाज अनेक प्रकार के आर्थिक, सामाजिक कठिनाइयों का सामना कर रहा था।

अर्जक समाज के राष्ट्रीय संयोजक गौरीशंकर ने कहा कि बाबू जगजीवन राम ने पं. नेहरू से लेकर इंदिरा गांधी की सरकार में अहम मंत्रालयों की जिम्मेदारी संभाली। 1971 में भारत–पाक युद्ध के समय वह देश के रक्षा मंत्री थे। यही नहीं, जब देश में हरित क्रांति आई, उस समय वह देश के कृषि मंत्री थे। उनका योगदान सदैव याद किया जाएगा। कांग्रेस उपाध्यक्ष वाहिद अली सिद्दीकी ने कहा कि बाबू जगजीवन राम ने स्वतंत्रता संग्राम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनके नाम 50 साल तक सांसद रहने का विश्व रिकॉर्ड भी दर्ज है।

इस मौके पर रामधीरज चौधरी, सिद्धनाथ प्रजापति, महबूब आलम, संदीप श्रीवास्तव, राहुल चौधरी, अलीम अख्तर, कर्मचारी नेता रामस्वारथ चौधरी आदि मौजूद रहे।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"—वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 7 जुलाई 2025 सोमवार

सम्पादकीय

आतंकवाद का खतरा

आतंकवाद आज पूरी दुनिया में मानवता के लिए बड़ा खतरा बन गया है। यह शांति, सह–अस्तित्व, विकास और लोकतंत्रिक मूल्यों के लिए चुनौती खड़ी कर रहा है। किसी भी धार्मिक, वैचारिक या राजनीतिक कारणों से आतंकवाद को जायज नहीं ठहराया जा सकता। यह एक ऐसा नासूर बन चुका है, जो अपने आप खत्म नहीं होगा। इसके खात्मे के लिए ठोस और सामूहिक प्रयास की जरूरत है। भारत आतंकवाद के विरुद्ध लड़ाई में वैश्विक समुदाय को एकजुट करने की कोशिश करता रहा है।

परिणामस्वरूप कई अंतरराष्ट्रीय मंचों पर आतंकवाद के खिलाफ मुखरता से आवाज उठी है। अब चार देशों के समूह क्वाड ने भी जम्मू–कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले की कड़ी निंदा की है। साथ ही इस हमले की साजिश रचने वालों, उसे अंजाम देने वालों और इसके वित्त पोषकों को बिना किसी देरी के न्याय के कठघरे में लाने का आह्वान किया है। क्वाड के इस कदम से आतंकवाद के खिलाफ भारत की 'कतई बर्दाश्त नहीं करने' की नीति को बल मिला है।

यह बात छिपी नहीं है कि पाकिस्तान समेत कुछ चुनिंदा देश आतंकियों का पालन–पोषण कर उन्हें हथियार की तरह इस्तेमाल करते हैं। भारत ने कई मौकों पर पाकिस्तान की इस असलियत को वैश्विक समुदाय के समक्ष सबूतों के साथ उजागर किया है। मगर, पाकिस्तान हमेशा इससे इनकार करता रहा है। हालांकि, आतंकवाद के खिलाफ दुनिया के हर कोने से आवाज उठ रही है, लेकिन इसके खात्मे के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जो एकजुट प्रयास होने चाहिए, वे अभी नजर नहीं आ रहे हैं।

पिछले माह चीन में आयोजित शंघाई सहयोग संगठन में शामिल देशों के रक्षा मंत्रियों की बैठक में भारत ने आतंकवाद के मुद्दे को उठाया। मगर, जब साझा बयान जारी करने को लेकर चर्चा हुई, तो पाकिस्तान ने इस मुद्दे को शामिल न करने की बात कही, जिस पर भारतीय पक्ष ने कड़ा विरोध जताया। इससे पाकिस्तान के नापाक इरादों का अंदाजा सहज ही लगाया जा सकता है।

वैसे संयुक्त राष्ट्र ने भी पाकिस्तान में मौजूद कई आतंकियों को वैश्विक सूची में शामिल किया है, लेकिन यह बात समझ से परे है कि सब कुछ जानते हुए हाल ही में पाकिस्तान को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की आतंकवाद रोधी समिति का उपाध्यक्ष किस आधार बनाया गया? अब क्वाड में शामिल देशों अमेरिका, आस्ट्रेलिया, जापान और भारत ने संयुक्त राष्ट्र के सभी सदस्य देशों से आग्रह किया है कि वे अंतरराष्ट्रीय कानूनों और अपने दायित्वों के अनुसार आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में सभी संबंधित प्राधिकारों के साथ सक्रिय रूप से सहयोग करें।

इतना ही नहीं, क्वाड ने अपने संदेश में आतंकवाद के खिलाफ भारत की कार्रवाई का भी दृढ़तापूर्वक समर्थन किया है। इस संदेश में भले ही पाकिस्तान का सीधे तौर पर नाम नहीं लिया गया, लेकिन आतंकवाद का पालन–पोषण कौन करता है, यह पहले से जगजाहिर है। ऐसे में वैश्विक समुदाय को चाहिए कि इस मुद्दे पर वह एकजुट होकर ठोस और कड़े कदम उठाए, ताकि आतंकवाद को जड़ से खत्म किया जा सके।

हिसंक विवाद और हत्या

पिछले कुछ वर्षों से शहरों–महानगरों में सड़कों पर यह विडंबना तेजी से बढ़ी है कि बेहद मामूली बात पर दो पक्ष आपस में उलझ जाते हैं और कई बार टकराव इस कदर हिंसक शक्ल अख्तियार कर लेता है कि उसमें किसी की जान चली जाती है। सड़कों पर हिंसा की यह एक ऐसी प्रवृत्ति है, जो न केवल नाहक उपजे तात्कालिक गुस्से के बेलगाम होने का नतीजा होती है, बल्कि इसका अंजाम एक अपराध के रूप में भी सामने आता है।

आए दिन ऐसे मामले सामने आते रहते हैं, जिनमें दो वाहन चालक या लोग गलती से हल्की टक्कर होने या फिर बेहद छोटी बात पर हिंसा पर उतारू हो जाते हैं। गौरतलब है कि दिल्ली के नंदनगरी इलाके में गलती से एक ई–रिक्शा एक कार से टकरा गया, जिससे किसी को कोई नुकसान नहीं हुआ। मगर सिर्फ इतनी–सी बात के लिए कार चालक ने आवेश में आकर ई–रिक्शा चालक को गोली मार दी।

यह समझना मुश्किल है कि महंगी गाड़ियों में हथियार लेकर चलने के शौक के पीछे कौन–सी ग्रंथि काम कर रही होती है। मगर कई बार सड़क पर शान या रौब और दूसरे पर हावी होने की जैसी प्रवृत्ति पाई जाती है, उसमें कुछ लोगों की आक्रामकता दूसरों के लिए जानलेवा साबित हो सकती है। खासकर जब उसके पास कोई खतरनाक हथियार भी हो। नतीजतन, जिन बातों पर टकराव भी नहीं होना चाहिए, उन पर हत्या तक कर दी जाती है।

नंदनगरी में बेहद मामूली बात पर ई–रिक्शा चालक को गोली मार देने के पीछे भी आक्रोश था, जिसे कुछ पल के धीरज से टाला जा सकता था। दरअसल, अपनी गाड़ी से किसी अन्य वाहन के छू जाने, हल्की टक्कर होने या फिर आगे निकलने पर होने वाली बहसें आजकल चिंताजनक रूप से हिंसक टकराव में तब्दील होती देखी जा रही हैं। सड़कों पर यह एक ऐसी विकृति पल रही है, जिसका शिकार कोई भी हो सकता है, क्योंकि अनदेखी करने लायक बातों पर भी जिस तरह के टकराव खड़े हो जाते हैं, उनमें वहां बात करने और आपसी समझ और सदभाव से विवाद को सुलझाने की गुंजाइश कम होती जा रही है।

सेकुलर और सोशलिस्ट को लेकर सियासी दांवपेंच

—उमेश चतुर्वेदी—

इतिहास ने जब किसी कालखंड को काला अध्याय के रूप में स्वीकार कर लिया हो, तब उस कालखंड में लिए गए निर्णयों को वैधानिक कैसे माना जा सकता है। आपातकाल स्वाधीन भारत की तवारीख का काला दौर ही है। उसी दौर में संवैधानिक संशोधन के जरिए संविधान की प्रस्तावना में 'सेक्युलर' और 'समाजवादी' शब्द जोड़े गए। ऐसे में इन शब्दों को हटाने की मांग पर विमर्श होना चाहिए, लेकिन हो रहा है विवाद। इसकी वजह यह है कि यह मांग खुलेतौर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने की है। संघ की ऐसी आवाजें गैर बीजेपी दलों को अक्सर चुभती रही हैं। कांग्रेस ने इस बहाने संघ पर अपना पुराना आरोप दोहराना शुरू कर दिया, कि संघ और बीजेपी संविधान को बदलने की कोशिश में हैं। दिलचस्प यह है कि आपातकाल में कांग्रेसी अत्याचारों के शिकार हुए समाजवादी धड़े के दल भी संघ विरोध में कांग्रेस के साथ खड़े नजर आ रहे हैं।

सबसे पहले हमें जानना चाहिए कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने इस बारे में क्या कहा है। आपातकाल की पचासवीं बरसी पर दिल्ली में आयोजित एक कार्यक्रम में उन्होंने कहा, 'आपातकाल के दौरान संविधान की प्रस्तावना में सेक्युलर और सोशलिस्ट शब्द जोड़े गए। ये शब्द पहले नहीं थे। बाद में इन्हें निकालने की कोशिश नहीं हुई। ये शब्द संविधान में रहना चाहिए। इस पर विचार होना चाहिए।'

जब से भारतीय जनता पार्टी केंद्रीय सत्ता में आई है, तभी से कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी एक रट लगाए हुए हैं कि बीजेपी और संघ संविधान बदलना चाहते हैं। लोकसभा चुनाव के दौरान तो उनकी अगुआई में समूचे विपक्ष ने इसे बार–बार दोहराया। नई लोकसभा के गठन के दौरान विपक्षी सांसदों ने शपथ लेते वक्त अपने हाथ में संविधान की प्रति थामे रखी। अंतर बस यह रहा कि कांग्रेसी सांसदों के हाथ में लाल रंग के कवर वाली संविधान की प्रति रही तो दूसरे दलों के सांसदों के हाथों में नीले रंग के कवर वाली संविधान की प्रति रही। शपथ लेते वक्त भी विपक्षी सांसदों ने देश को संदेश देने की कोशिश की कि बीजेपी संविधान बदलना चाहती है और वे इसे बदलने नहीं देंगे। दत्तात्रेय होसबाले के बयान के बाद एक बार भी कांग्रेस और दूसरे विपक्षी दल ऐसी ही बयानबाजी में मसरूफ हो गए हैं।

संविधान की प्रस्तावना में ये दोनों शब्द 42वें संशोधन के जरिए जोड़े गए थे। इसी के साथ लोकसभा और विधानसभाओं का कार्यकाल पांच की बजाय छह साल कर दिया गया था। 1977 के आम चुनावों के बाद सत्ता में आई जनता पार्टी की सरकार ने दिसंबर 1978 में संविधान के 44वें संशोधन के जरिए आपातकाल के दौरान किए गए संवैधानिक बदलावों को बदल दिया। जिसमें लोकसभा और विधानसभाओं का कार्यकाल को फिर से पांच साल करना शामिल था। लेकिन संविधान की प्रस्तावना से 'सेक्युलर' और 'समाजवादी' शब्दों को हटाने का प्रयास नहीं हुआ।

संघ की मांग का आधार मूल संविधान की प्रस्तावना है। जिसमें ये दोनों शब्द शामिल नहीं किए गए थे। ऐसा नहीं कि ऐसा करने की मांग नहीं हुई थी। संविधान सभा के सदस्य केटी शाह ने 15 नवंबर 1948 को संविधान के मसौदे में संशोधन प्रस्ताव रखते हुए भारत को 'इम्निरपेक्ष, संघीय, समाजवादी राज्यों का संघ' बनाने मॉंग की। लेकिन अंबेडकर ने इसे खारिज कर दिया। तब अंबेडकर ने कहा था, "राज्य की नीति क्या होनी चाहिए, समाज को उसके सामाजिक और आर्थिक पक्ष में कैसे संगठित किया जाना चाहिए, ये ऐसे मामले हैं जिनका निर्णय लोगों को समय और परिस्थिति के अनुसार स्वयं करना चाहिए।" अंबेडकर का मानना था कि अगर संविधान की प्रस्तावना में समाजवाद को जोड़ दिया जाता है तो यह भावी पीढ़ियों को उनका रास्ता चुनने की स्वतंत्रता को सीमित करेगा। उन्होंने कहा, "इसे संविधान में नहीं रखा जा सकता, क्योंकि यह लोकतंत्र को पूरी तरह से नष्ट कर देगा।" नेहरू की भी सोच थी कि भारतीय संविधान का चरित्र ही धर्मनिरपेक्ष है, इसलिए उसकी प्रस्तावना में इसे अलग से जोड़ने की जरूरत नहीं है।

कांग्रेस हो या फिर दूसरे विपक्षी दल, उन्हें आज के दौर में जब भी बीजेपी पर हमला या फिर संघ को कठघरे में खड़ा करना होता है, वे अंबेडकर के संविधान को याद करने लगते हैं। अंबेडकर के मूल्यों की रक्षा की बात करने लगते हैं। ऐसे में उनके सामने यह सवाल जरूर उठता है कि क्या आपातकाल थोपा जाना अंबेडकर के विचारों का सम्मान था और अगर वह नहीं था तो फिर सेकुलर और समाजवादी शब्दों का प्रस्तावना में शामिल होना सही कैसे है? एक और सवाल यह है कि जब आपातकाल की नाजायज और अवैधानिक था तो फिर उस दौरान उठाए गए किसी कदम को जायज और संवैधानिक कैसे स्वीकार किया जा सकता है? सवाल यह भी है कि आपातकाल के दौरान इंदिरा ही कार्यपालिका हो गई थीं, जिनके सामने न्यायपालिका और विधायिका एक तरह से अधिकारहीन हो चुकी थीं, तो उनके द्वारा लिए गए निर्णय सही कैसे हो सकते हैं? संविधान की प्रस्तावना में जोड़े गए इन शब्दों की एक सीमा यह भी है कि इनकी कोई व्याख्या नहीं है। इसलिए जिसकी जैसी सोच होती है, इनकी व्याख्या कर डालता है।

केशवानंद भारती केस में सर्वोच्च न्यायालय कह सकता है कि संविधान की बुनियादी आत्मा को नहीं बदला जा सकता। इस नजरिए से भी देखें तो प्रस्तावना में जोड़े गए ये दोनों ही शब्द सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय के ठीक उलट हैं। इन दोनों शब्दों के जोड़े जाने के बाद ही संविधान का अलग ही रूप और चरित्र दिखने लगा है। जिसके आधार पर ज्यादातर कार्यपालिका और विधायिका फैसले लेने लगी है। कुछ जानकार तो मानते हैं कि कई सामाजिक समस्याओं की वजह ये दोनों शब्द ही हैं। जिनके चलते संवैधानिक संस्थाएं भारत के बुनियादी चरित्र के उलट कदम उठाती रहती हैं या फैसले लेती रहती हैं। अल्पसंख्यकवाद को बढ़ावा देने में इन दोनों शब्दों का योगदान सबसे ज्यादा है। इन्हीं शब्दों के चलते तुष्टिकरण की राजनीति को भी बढ़ावा मिला है। इन शब्दों से मिले कवच की वजह से बिखंडनकारी तत्व हावी हुए हैं, जो लगातार भारतीय समाज के बिखरावं को बढ़ावा दे रहे हैं। प्रस्तावना में आए बदलावों ने शासन के चरित्र को ही नहीं, प्रशासन की सोच को भी बदला है। लेकिन कभी इस नजरिए से इन शब्दों की सीमा को मापने और उनके असर को पहचानने की कोशिश नहीं हुई।

कुछ महीने बाद बिहार विधानसभा के चुनाव हैं। कांग्रेस संघ की इस अपील को चुनावी मुद्दा बनाने की कोशिश जरूर करेगी। बिहार के प्रमुख विपक्षी दल राष्ट्रीय जनता दल ने इस मुद्दे पर कांग्रेस का साथ जरूर दिया है, लेकिन कांग्रेस की तरह आक्रामक मुद्रा में नहीं है। इसकी वजह यह है कि बीजेपी और संघ आपातकाल के लिए लगातार कांग्रेस से माफी की मांग भी कर रहे हैं। आरजेडी प्रमुख लालू यादव भी आपातकाल के पीड़ित हैं और उन दिनों वे बीजेपी के पूर्ववर्ती संगठन जनसंघ और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के साथ थे। आपातकाल के बाद हुए चुनावों में ही उन्होंने छपरा से लोकसभा का चुनाव जीता था। ऐसे में उनके लिए आपातकाल के मुद्दे पर देर तक कांग्रेस का साथ देना आसान नहीं होगा। लिहाजा उनकी कोशिश होगी कि इस मुद्दे को कांग्रेस उठाए और पीछे से उसका साथ वे देते रहें। इस रणनीति के जरिए उनकी कोशिश है कि बीजेपी की अगुआई वाले गठबंधन से सत्ता छीन लें। लेकिन संघ इस मांग से उस तरह पीछे हटता नहीं दिख रहा, जिस तरह 2015 के चुनावों के दौरान आरक्षण पर आए मोहन भागवत के बयान से उपजे विवाद के चलते पीछे हटता दिखा।

कांग्रेस ने अब तक आपातकाल को लेकर अपनी गलती नहीं मानी है। संघ की मांग के चलते यह मुद्दा उछल रहा है। जैसे–जैसे इस मुद्दे की तासीर बढ़ेगी, वैसे–वैसे कांग्रेस के लिए अपना बचाव कर पाना आसान नहीं होगा। क्योंकि वह कैसे साबित कर पाएगी कि आपातकाल सही था? अगर वह आपातकाल को सही नहीं ठहरा पाएगी तो वह किस तरह साबित करेगी कि प्रस्तावना में किया गया बदलाव सही था। कांग्रेस की सबसे बड़ी चुनौती यही है। चूंकि संघ के पास सीधे तौर पर कोई वैचारिक ताकत नहीं है। लेकिन विमर्श के बहाने वह इन शब्दों के औचित्य के साथ ही कांग्रेस की तब की करतूत की याद को जीवंत बनाए रखना चाहता है। इसके जरिए निश्चित तौर पर एक ऐसा लोकमानस बनेगा, जो इन शब्दों का विरोधी होगा।

राष्ट्रीय एकीकरण के नायकः डॉ.श्यामा प्रसाद मुखर्जी

– डॉ. कुलवीर सिंह चौहान–

परतंत्र और स्वतंत्र भारत की राजनीति को सम्यक दिशा देकर भाषायी एवं क्षेत्रीय अस्मिताओं के दायरे से बाहर निकालकर देश की राष्ट्रीय एकता एवं अखंडता को अछुण्य रखने में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का महत्वपूर्ण योगदान था। 6 जुलाई 1901 को सर आशुतोष मुखर्जी व योगमाया देवी के सुयोग्य पुत्र के रुप में कोलकाता में जन्मे डॉ. मुखर्जी में सनातन धर्म की आध्यात्मिक परंपराओं, वैज्ञानिक एवं अकादमिक अभिरुचियों के प्रति गहरा लगाव था। उच्च शिक्षा प्राप्त करने के बाद मात्र 23 वर्ष की अवस्था में वह कलकत्ता विश्वविद्यालय की सीनेट के फैलो बनाए गए थे। 1934–38 के अवधि में कलकत्ता विश्वविद्यालय के सबसे युवा (33 वर्ष की अवस्था) और सफल कुलपति होने का गौरव भी उन्होंने प्राप्त किया। यह बंगाल ही नहीं अपितु विश्व के किसी भी देश के विश्वविद्यालयी इतिहास में सबसे युवा कुलपति बनने का एक कीर्तिमान भी था। इसके पहले 1929 व 1937 में बंगाल विधान परिषद के सदस्य चुने गए। 1939 में विनायक दामोदर सावरकर की प्रेरणा से हिन्दू महासभा में शामिल हुए तथा 1941 से 1947 तक हिन्दू महासभा के अध्यक्ष रहते हुए उन्होंने हिन्दूओं को संगठित करने का बीड़ा उठाया।1946 में वह संविधान सभा के सदस्य बने।1947 से 1950 तक केंद्रीय मंत्रिमंडल के सदस्य रहे तथा हिन्दू हितों की अनदेखी के कारण नेहरू–लियाकत समझौते के विरोध में मंत्रिमंडल से 8 अप्रैल 1950 को त्यागपत्र दे दिया और 21 अक्टूबर,1951 को अखिल भारतीय स्वरुप के श्यामाप्रसाद जनसंघ, नामक दल का गठन किया। ब्रिटिश साम्राज्यवाद की विभाजनकारी नीतियों और मुस्लिम साम्प्रदायिकता के उभार से जो जहर भारतीय शासन व्यवस्था में व्याप्त हो रहा था, डॉ. मुखर्जी ने उनसे निपटने का वैचारिक एवं क्रियात्मक दोनों स्तरों पर प्रयास किया। डॉ. मुखर्जी पिछड़े वर्गों के आधार पर संरक्षण के अतिरिक्त धार्मिक आधार पर किसी भी विशेष संरक्षण या भेदभाव के प्रबल विरोधी थे। वह विभाजन की शर्तों पर स्वाधीनता प्राप्ति के मुखर विरोधी थे।

20वीं शताब्दी का आरम्भ भारत की राजनीति का वह दौर था जिसमें राजनीतिक पराधीनता के साथ वैचारिक अंतर्विरोध और सांस्कृतिक संकट के लक्षण परिलक्षित हो रहे थे। सारे देश में साम्राज्यवाद के खिलाफ एक तीव्र लहर चल रही थी। भारत द्वितीय विश्वयुद्ध में श्रीहीन व शक्तिहीन हो चुके ब्रिटिश शासनतंत्र की बेड़िया तोड़ने को तीव्रता से आगे बढ़ रहा था। अंग्रेज इस स्थित को भांप कर भारत से विदा लेने के पहले बड़े षड्यंत्र को रच रहे थे। इसी साजिश के तहत अंग्रेजों ने बंगाल, जो भारत की आर्थिक एवं राजनीतिक चेतना का मुख्य केंद्र रहा था,के विभाजन की कुटिल चाल चली। परंतु इस विद्वेषपूर्ण ब्रिटिश नीति ने राष्ट्रवाद की धारा को मंद करने के स्थान पर और तीव्र कर दिया था। स्वाधीनता संघर्ष की परिणति भारत की आजादी थी, किंतु विभाजन की त्रासदी ने देश को गहरी वेदना दी। विभाजन की अनिवार्यता को भांप कर, डॉ. मुखर्जी ने बंगाल, असम व पंजाब के एक बड़े हिस्से को पाकिस्तान के चंगुल में जाने से बचा लिया। डॉ. मुखर्जी के दूरदर्शी प्रयासों से ही सगर–पुत्रों की तपोभूमि, बंकिमचन्द्र, सुभाषचंद्र बोस, विवेकानंद, कवीन्द्र–रवींद्र,बंदा बैरागी,गुरुगोविंद सिंह की पावन धरा पश्चिम बंगाल व पंजाब का पाकिस्तान में विलय होने से बचाया जा सका।

स्वाधीन भारत के पहले मंत्रिमंडल में 15 अगस्त 1947 को वह महात्मा गाँधी के आग्रह और स्वातंत्र्यवीर सावरकर की प्रेरणा से शामिल हुए। यह भी अपने आप में एक रोचक तथ्य है कि कांग्रेस की नीतियों के घुर विरोधी दो विद्वान राजनेताओं डॉ. मुखर्जी व डॉ. अम्बेडकर को उनके नेतृत्व क्षमता, वक्तता कौशल व दूरदर्शी दृष्टिकोण के चलते नेहरु मंत्रिमंडल में उद्योग व आपूर्ति तथा कानून व श्रम जैसे अति महत्वपूर्ण मंत्रालयों की जिम्मेदारी दी गई। इस विश्वास को कायम रखते हुए उन्होंने राष्ट्रीय पुनर्निर्माण में सार्वजनिक औद्योगिक प्रतिष्ठानों की आधारशिला रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। पूर्वी पाकिस्तान में हिन्दू अल्पसंख्यकों पर लगातार किए जा रहे अत्याचारों व देश में भीषण दंगो के बावजूद तत्कालीन प्रधानमंत्री पं. नेहरु द्वारा पाक प्रधानमंत्री लियाकत अली को भारत में मुस्लिम समस्याओं के संदर्भ में भेजे आमंत्रण प्रस्ताव से खिन्न होकर उन्होंने केंद्रीय मंत्रिमण्डल से त्यागपत्र दे दिया। 16 जनवरी 1951 को आयोजित एक बैठक में पार्टी के घोषणापत्र व संविधान पर चर्चा के बाद भारतीय जनसंघ नामक एक राष्ट्रीय दल के गठन का निर्णय हुआ। 21 अक्टूबर,1951 को जिस दिन नेताजी सुभाष चन्द्र बोस ने आजाद हिंद सरकार का गठन किया था, दिल्ली में चार सौ प्रतिनिधियों के सम्मेलन में इस नवीन संगठन के अध्यक्ष के रूप में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी को संस्थापक अध्यक्ष घोषित किया गया। कानपुर में जनसंघ के प्रथम राष्ट्रीय अधिवेशन उन्होंने जम्मू–कश्मीर के पूर्ण विलय की मांग का प्रस्ताव रखते हुए कहा था कि एक देश में दो प्रधान,दो विधान व दो निशान–नहीं चलेंगे नहीं चलेंगे। देश में लोकतंत्र को मजबूत करने दलीय एकाधिकार की विसंगतियों को दूर करने के लिए उन्होंने जनसंघ के प्रथम अधिवेशन कानपुर में उड़ीसा के राजनीतिक दल गणतंत्र परिषद् को अधिवेशन में आमंत्रित किया था।प्रथम आम चुनाव में सारे देश से जनसंघ के मात्र 3 सांसद व कुल 17 विधायक (9 बंगाल व 8 राजस्थान से) पार्टी के टिकट पर चुने जा सके। जनसंघ एक नवजात राजनीतिक दल था।इसके बावजूद जनसंघ के घोषणापत्र में चुनाव पूर्व घोषित जमींदारी उन्मूलन की नीति का राजस्थान के जागीरदार विधायकों के विरोध को उन्होंने ठीक न मानते हुए 6 विधायकों को उनके जमींदारी उन्मूलन के जनसंघ के समर्थन का विरोध करने के कारण डॉ. मुखर्जी के निर्देश पर जनसंघ से निष्कासित किया गया था। इससे प्रकट होता है कि सामाजिक न्याय व दलीय अनुशासन के प्रति वह कितने समर्पित राजनेता थे!

जम्मू–कश्मीर के विशेष दर्जे को लेकर उन्होंने आंदोलन किया ही, किन्तु हैदराबाद और जूनागढ़ राज्यों के भारतीय संघ में विलय की बाधाओं को दूर कराने में भी डॉ. मुखर्जी ने सरदार पटेल के साथ मिलकर मंत्रिमण्डलीय बैठकों के निर्णयों को राष्ट्रीय एकीकरण की दिशा में मोड़ने का सफल प्रयास किया। डॉ. साहब इस बात से बहुत व्यथित थे कि देश के नागरिकों को अपने ही देश के एक राज्य में जाने के लिए अनुमति–पत्रअपरमिट लेनी पड़ती है। इसीलिए जब देश के दो प्रमुख सांसदों उमाशंकर त्रिवेदी तथा विष्णु घनश्याम देशपाण्डे को बिना परमिट के प्रवेश की अनुमति न देकर गिरफ्तार कर लिया गया तो डॉ. मुखर्जी ने इसे देश के नागरिकों का स्वदेश में अपमान मानते हुए प्रजा परिषद् द्वारा किए जा आंदोलन को समर्थन देने व राज्य में प्रवेश की परमिट व्यवस्था को समाप्त करने के उद्देश्य से 8 मई को जम्मू–कश्मीर की ओर प्रस्थान किया। 23 जून 1953 को श्रीनगर के एक बंगले में नजरबन्दी के रुप में रहस्यमय परिस्थियों में उनकी मौत ने सारे देश को स्तब्ध कर दिया।

हिंदुस्तान एयरक्राफ्ट लिमिटेड बेंगलुरु, उर्वरक कारखाना, सिंदरी तथा लोकोमोटिव कारखाना, चित्तरंजन, इण्डस्ट्रियल फाइनेंस कारपोरेशन, आल इण्डिया हैण्डीक्राफ्ट बोर्ड, आल इण्डिया हैण्डलूम बोर्ड, खादी ग्रामोद्योग बोर्ड जैसे संस्थान डॉ. मुखर्जी की औद्योगिक नीति (1948) की देन है। स्वावलंबन व स्वदेशी के मार्ग पर चलकर इस नीति में उन्होंने वस्त्र उद्योग के व्यापक विस्तार की योजना को मूर्त रुप दिया। उसी का यह प्रतिफल है की भारतीय औद्योगिक क्षेत्र में आज वस्त्र उद्योग की सबसे बड़े उद्योगों में गिनती होती है। भिलाई और राउरकेला में कालांतर में स्थापित इस्पात संयंत्रो की पृष्ठभूमि भी डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के मंत्रित्व काल में ही बनी।

ठाकरे भाइयों की एकजुटता के निहितार्थ

—नीरज कुमार दूबे—

महाराष्ट्र की राजनीति एक बार फिर भाषा की भावनाओं की लहरों में डोलती दिखाई दे रही है। मराठी अस्मिता के सवाल को फिर से केंद्र में लाते हुए शिवसेना (उद्धव गुट) और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के प्रमुख राज ठाकरे ने हिंदी भाषा को कथित रूप से 'थोपे जाने' के विरोध में एक समान सुर अपनाया है। यह घटनाक्रम न केवल राज्य की भाषाई राजनीति को गर्मा गया है, बल्कि वर्षों से एक–दूसरे के विरोध में खड़े ठाकरे बंधुओं को साझा राजनीतिक उद्देश्य के तहत साथ भी ले आया है।

वैसे राज ठाकरे और उनकी पार्टी की ओर से हिंदी भाषा का विरोध पहले भी होता रहा है। खासकर मुंबई जैसे महानगर में जहाँ हिंदी भाषी आबादी बड़ी संख्या में है, वहां मराठी भाषी समाज के मन में यह भाव डाला जा रहा है कि उनकी सांस्कृतिक पहचान और भाषा को धीरे–धीरे हाशिये पर डाला जा रहा है। राज ठाकरे की मनसे ने पहले भी हिंदी भाषियों पर निशाना साधते हुए ऑटो रिक्शा चालकों और बहुभाषी दुकानों के खिलाफ अभियान चलाए हैं। वहीं शिवसेना की स्थापना ही 'मराठी मानुष' की राजनीति पर हुई थी, हालांकि बाद के वर्षों में वह राष्ट्रीय राजनीति और गठबंधनों में आगे बढ़ती चली गई। दोनों भाई दो दशक के बाद एक ही मंच से जिस तरह गरजे हैं उससे हिंदी भाषियों के मन में सुरक्षा को लेकर आशंकाएं उत्पन्न होना स्वाभाविक है इसलिए महाराष्ट्र सरकार को अब और ज्यादा सतर्कता बरतने की जरूरत है।

आज दोनों चचेरे भाइयों उद्धव और राज ने साथ आकर महाराष्ट्र की राजनीति में एक नई शुरुआत भी कर दी है। हम आपको बता दें कि महाराष्ट्र में अब तक राजनीतिक परिवारों को बंटते देखा गया लेकिन ठाकरे बंधुओं ने एक साथ आकर जो पहल की है क्या उसका विस्तार पवार परिवार तक भी होता है, अब इस पर सबकी नजरें टिकी रहेंगी।

हिंदी विरोध के बहाने साथ आये उद्धव और राज को समझना चाहिए कि हिंदी वैश्विक स्तर पर तीसरी सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषा है। यह भारत की सांस्कृतिक सॉफ्ट पावर का प्रतीक बन चुकी है। विदेशों में भी भारतीय, हिंदी को अपने मूल से जोड़ने वाली डोर मानते हैं। हिंदी पर मराठी भाषा की जीत का उत्सव मना रहे उद्धव और राज को समझना चाहिए कि हिंदी सिर्फ एक भाषा नहीं है, बल्कि भारत की सांस्कृतिक, सामाजिक और ऐतिहासिक पहचान का अभिन्न अंग है।

जन समर्थन खो चुके उद्धव और राज ठाकरे जैसे हिंदी विरोधियों को अपने मन की वह भ्रांति दूर कर लेनी चाहिए कि हिंदी कोई विरोधी भाषा है, उन्हें समझना चाहिए कि हिंदी तो एक सहयोगी भाषा है। यह कभी किसी पर थोपी नहीं जाती बल्कि अपनी उपयोगिता, पहुँच और आत्मीयता के बल पर यह जनमानस में रची–बसी है। हिंदी तो वह भाषा है जो भारत की भाषायी विविधता को बनाए रखते हुए अन्य भाषाओं के साथ बड़ी आसानी से समन्वय कर लेती है। राजनीतिक स्वार्थ की पूर्ति के लिए साथ आये उद्धव और राज ठाकरे को समझना चाहिए कि हिंदी एक लचीली और समावेशी भाषा है जो अन्य भाषाओं के शब्दों को आत्मसात करती है। इसमें संस्कृत, उर्दू, फारसी, बंगाली, क्षेत्रीय बोलियों और यहां तक कि अंग्रेजी के शब्दों को भी आत्मसात करने की अद्भुत क्षमता है।देश और समाज को जोड़ने वाले मुद्दों को उठा कर अपनी राजनीति आगे बढ़ाने की बजाय समाज को बांटने वाले मुद्दे उठा कर उद्धव और राज ठाकरे को समझना चाहिए कि हिंदी किसी को दबाने या हटाने की भाषा नहीं है, बल्कि यह जोड़ने की भाषा है।

एएसडीएम के अर्दली ने युवती से की अश्लीलता, पीड़ित बोली– नौकरी का झांसा देकर बुलाया, चाकू दिखाकर कपड़े उतारने की कोशिश की

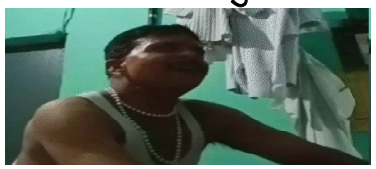

संवाददाता–गोण्डा। अपर उपजिलाधिकारी ऑफिस में तैनात 60 वर्षीय अर्दली का आपत्तिजनक वीडियो सामने आया है। अर्दली ने युवती को नौकरी का झांसा देकर बुलाया था। वीडियो में दिख रहा है कि अर्दली अपने सरकारी क्वार्टर में अर्धनग्न अवस्था में युवती का हाथ पकड़े हुए है। बैड टच कर रहा है, जबकर पकड़े उतारने की कोशिश करते हुए नजर आ रहा है।

मामला चेतना पार्क ऑफिसर्स कॉलोनी का है। शनिवार को युवती और अर्दली का 2 वीडियो सामने आया। इसके बाद डीएम नेहा शर्मा ने आरोपी अर्दली हरिवंश शुक्ला को सस्पेंड कर दिया। युवती ने बताया कि घटना के दो दिन बाद मैंने डीएम के फोन पर मैसेज करके शिकायत की। इसके बाद से हरिवंश शुक्ला 4–5 दिनों से मुझे परेशान कर रहा है। मेरे पूरे परिवार को जान से मारने की धमकी दे रहा है। आरोपी को जेल भेजा जाए।

हरदोई निवासी अर्दली हरिवंश शुक्ला (60) गोंडा अपर उपजिलाधिकारी प्रथम कार्यालय में तैनात है। परशुपुर थाना क्षेत्र निवासी पीड़िता ने वीडियो जारी कर बताया कि करीब एक महीने पहले मैं नौकरी की अर्जी लेकर कलेक्ट्रेट गई थी। यहीं पर मेरी मुलाकात हरिवंश शुक्ला से हुई। हरिवंश ने नौकरी लगवाने का झांसा दिया। मेरा मोबाइल नंबर ले लिया और रोज मुझसे बात करने लगा। हरिवंश ने करीब एक सप्ताह पहले मुझे चेतना पार्क में बुलाया। इसके बाद नौकरी दिलाने की बात कहकर ऑफिसर्स कॉलोनी स्थित अपने सरकारी क्वार्टर पर ले गया। कमरे में पहुंचते ही अंदर से कुंडी लगा दी। अपने कपड़े उतार दिए और मेरे साथ अश्लील हरकत करने लगा। विरोध करने पर चाकू दिखाया और जबरन मेरे कपड़े भी उतारने लगा। मैंने अगली बार आने का झांसा देकर किसी तरह अपनी इज्जत बचाई। घटना के बाद मैं बहुत घबरा गई थी। किसी तरह हिम्मत जुटाकर 2 दिन बाद डीएम से ऑनलाइन शिकायत की। पीड़िता ने कहा कि शिकायत करने के बाद से हरिवंश ने मुझे फोन किया। पूरे परिवार समेत जान से मारने की धमकी दी। मेरी प्रशासन से अपील है कि ऐसे आरोपी को जेल भेजा जाए।

मामला संज्ञान में आते ही डीएम नेहा शर्मा ने आरोपी अर्दली हरिवंश शुक्ला को सस्पेंड कर दिया। उसकी फाइल भी सील कर दी गई है। डीएम ने पूरे मामले की जांच एडीएम आलोक कुमार को सौंपी है। आरोपी हरिवंश शुक्ला 5 महीने में रिटायर होने वाला है। पीड़िता ने बताया कि इससे पहले भी अर्दली कई लड़कियों को नौकरी का झांसा देकर अपने जाल में फंसा चुका है।

सांड ने महिला को मार डाला, सींग से हवा में उछाला, फिर सीने पर पैर रख हो गया खड़ा

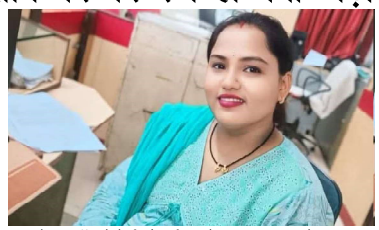

संवाददाता–गोण्डा। शनिवार की शाम बैंक से काम निपटाने के बाद पैदल वापस लौट रही इंश्योरेंस एडवाइजर महिला को सांड ने हमला करके मार डाला। पहले हवा में उछाला, जमीन में गिरने के बाद दोनों पैर सीने पर रखकर खड़ा हो गया। दृश्य देख लोगों को दिल दहल गए। घटना से लोगों में आक्रोश व्याप्त है। घटना नगर कोतवाली क्षेत्र के बड़गांव पुलिस चौकी क्षेत्र स्थित एक निजी बैंक के पास की है। मूल रूप से देहात कोतवाली क्षेत्र के पैड़ीअजब सिंह गांव निवासी स्वाति सिंह (27) इंडियन बैंक में इंश्योरेंस एडवाइजर के तौर पर काम करती थीं। शनिवार की शाम करीब 6.00 बजे वह किसी काम से बड़गांव पुलिस चौकी के पास स्थित एक बैंक के कार्यालय गई थीं। वहां से काम समाप्त करके वापस लौट रही थीं। इसी समय सड़क पर दो सांड आपस में लड़ रहे थे। वह बगल से निकलने लगीं तो सांड उनकी तरफ भागा। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि सांड ने पहले स्वाति को सींग से हवा में उछाल दिया। फिर दोनों पैर उनके सीने पर रखकर खड़ा हो गया। कुछ ही पल में स्वाति ने दम तोड़ दिया। मौजूद लोगों ने साड़ को भगाया। इसके बाद स्वाति को मेडिकल कॉलेज पहुंचाया। वहां पर जांच के बाद डॉक्टरों ने भी मौत की पुष्टि कर दी। सूचना पर पहुंचे इंस्पेक्टर विवेक त्रिवेदी ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। बताया गया कि परिवार में पति दिलीप सिंह व पांच साल की बेटी अक्षरा है। दिलीप पोस्ट ऑफिस में पोस्टमास्टर के पद पर कार्यरत हैं। स्वाति की मौत के बाद पति–बेटी समेत परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल है। परिजनों के मुताबिक, स्वाति मूल रूप से महाराष्ट्र की रहने वाली थीं। शादी के बाद पति के साथ रहती थीं। सपा के पूर्व विधायक बैजनाथ दुबे ने कहा कि गोशालाओं के नाम पर सरकार व प्रशासन की ओर से करोड़ों का खर्च किया जा रहा है। गोशालाओं में व्याप्त घोटालों की वजह से प्रतिदिन लोगों की जानें जा रही हैं। उन्होंने मृतक के परिवार को 50 लाख रुपये मुआवजा, गोशालाओं में व्याप्त घोटाले की जांच करने की मांग की। साथ ही छुट्टा जानवरों को संरक्षित करने की मांग की। साथ ही दुखी परिवार के प्रति शोक संवेदना व्यक्त की। घटना से तीन दिन पहले परसपुर के पुरैना पूरे पांडेय पुरवा में रोड पर घूम रहे सांड ने बहराइच के बगिया कोइली पुरवा मुस्तफाबाद जरवल कस्बा निवासी माहे आलम (20) को भी सींग में फंसाकर बाइक सहित हवा में उछाल दिया था। इसमें युवक की मौके पर ही मौत हो गई थी। बावजूद इसके अधिकारियों ने गंभीरता से नहीं लिया। मुख्य पशुचिकित्सा अधिकारी शशिकुमार शर्मा ने संतोषजनक जवाब नहीं दिया। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे पर बाद में बात करते हैं। इसके बाद फोन काट दिया।

अभिभावकों की राय लिए बिना ही 150 स्कूलों के विलय की तैयारी

संवाददाता–गोण्डा। जिले में 150 सौ से ज्यादा बेसिक स्कूलों का पड़ोस के स्कूलों में युग्मन (पेयरिंग) करने की औपचारिकताएं तकरीबन पूरी हो चुकी हैं। बताया जा रहा है कि छात्र संख्या कम होने की वजह से इनकी दूसरे स्कूलों से पेयरिंग की जा रही है। शासन के इस फैसले का विभिन्न शिक्षक संगठन पुरजोर विरोध कर रहे हैं। उनका तर्क है कि सरकार के इस फैसले से शिक्षा अधिकार अधिनियम का उल्लंघन होगा। गांवों के छोटे–छोटे बच्चों को दो से तीन किमी की दूरी तय करके पढ़ाई करने के लिए जाना होगा। आरटीई के तहत नौनिहालों को एक किमी के दायरे में प्राथमिक शिक्षा मुहैया कराने का प्रावधान है। स्कूलों की पेयरिंग से वहां काम करने वाली रसोइया के साथ शिक्षकों को दूसरी जगह भेजा जाएगा। फिलहाल इसको लेकर जिले में ऊहापोह की स्थिति है। जहां अधिकारी शासन के निर्देश पर पेयरिंग का काम हर हाल में पूरा करने की बात कह रहे हैं वहीं शिक्षक संघ के साथ विभिन्न संगठन इसका पुरजोर विरोध कर रहे हैं। हिन्दुस्तान ने बोले गोंडा मुहिम के तहत इस संबंध में संबंधित पक्षों की राय जानी। गोण्डा। ग्रीष्मकालीन अवकाश के बाद स्कूल खुलने के बाद अभिभावक उत्साह और उमंग के साथ परिषदीय स्कूलों में पढ़ने वाले अपने बच्चों को स्कूल भेजने की तैयारी कर रहे थे। इसी बीच शासन के निर्देश पर बेसिक शिक्षा विभाग के अधिकारी परिषदीय स्कूलों में छात्रों की संख्या कम होने पर डेढ़ सौ से ज्यादा स्कूलों के युग्मन (पेयरिंग) की सूची तैयार करने में जुटे रहे। जुलाई में कई जगहों पर बच्चे स्कूल पहुंचकर ताला खुलने का इंतजार कर रहे थे जो काफी देर बाद न खुलने पर बच्चे छुट्टी समझकर वापस लौट गए। गोंडा के तहत छपिया, मनकापुर, झंझरी, पंडरी कृपाल, रुपईडीह सहित 16 ब्लॉकों के बीईओ के अनुभवान पर विभाग ने करीब 150 परिषदीय स्कूलों के पेयरिंग (युग्मन) की सूची तैयार कर ली है। विभागीय अफसरों का दावा है कि अभी सूची में और भी विद्यालय शामिल हो सकते हैं। मोतीगंज की रीना देवी, स्नेहलता, राम केवल ने बताया कि विद्यालय के विलय होने से नौनिहाल की उम्मीदों पर ताला लग गया है। वहीं, पंडरी कृपाल के तेलियानी उपाध्याय में पहले दिन विद्यालय के शिक्षकों ने बताया कि अब विद्यालय यहां नहीं चलेगा। इसका विलय पास के दूसरे विद्यालय में हो गया है। जिसको लेकर तेलियानी उपाध्याय के सैकड़ों महिलाओं और पुरुषों ने बच्चों के साथ प्रदर्शन किया। लोगों ने कहा कि शासन के नियमों के विपरीत विभागीय अधिकारी अपनी मनमानी तरीके से विलय कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि विलय के लिए बीईओ और प्रधानाध्यापक के साथ प्रबंधक समिति, अभिभावकों की बैठक करके चर्चा करने का डीजी स्कूल शिक्षा कंचन वर्मा का निर्देश होने के बाद भी किसी भी स्कूल में अभिभावकों से राय नहीं ली गई। शिक्षा अधिकार अधिनियम के मुताबिक एक हजार आबादी पर प्राथमिक विद्यालय एक किलोमीटर और पंद्रह सौ की आबादी पर उच्च प्राथमिक विद्यालय दो किलोमीटर की दूरी पर खोले जाए। लोगों ने कहा कि भवन निर्माण के बाद विद्यालय खोला गया तब सरकार कहां थी। लोगों ने सरकार के परिषदीय स्कूलों के विलय करने और निजी विद्यालयों में मनमानी फीस पर अंकुश न लगाने पर दोहरी नीति उजागर होने की बात बताई है।

कहा कि सरकार जनता को ठगने का काम कर रही है। लोगों ने कहा कि जब सरकारी स्कूल और सरकारी विभाग ही नहीं रहेंगे तो सरकार किस काम की रहेगी। परिषदीय स्कूलों के विलय पर जिले के कई क्षेत्रों में ग्रामीणों के आक्रोश व्यक्त किया है। नामांकन कम होने पर तय हो जवाबदेही बेसिक शिक्षा परिषद के निर्देश पर जिले में 30 से कम विद्यार्थी होने पर विद्यालयों का विलय होने पर शिक्षकों के साथ अभिभावक भी नाराज हैं। लोगों का कहना है कि स्कूलों में नामांकन की कमी के आधार पर विलय कर विद्यालय बंद करने के बजाय जिम्मेदार अधिकारियों पर सरकार सख्ती से कार्रवाई करनी चाहिए। इससे गरीब, असहाय, परिवार के नौनिहालों की पढ़ाई पर आफत बन आई है।

कमरे में आग लगने से महिला की जिंदा जलकर मौत

संवाददाता–देवरिया। सलेमपुर उपनगर के सलाहाबाद में रविवार की सुबह करीब 11 बजे आग में महिला जिंदा जल गई। उसकी कमरे में ही मृत्यु हो गई। वह असम की रहने वाली थी व बेटे–बेटी व बहू के साथ रहती थी। आग की चपेट में महिला कैसे आई, इसकी जांच पुलिस कर रही है। असम के रहने वाले देवानंद ने दो शादी की थी, जिसमें दूसरी पत्नी 45 वर्षीय सुनीता अपने बेटे धनंजय व बहू रेशमा के अलावा बेटी सोनम के साथ सलेमपुर उपनगर के सलाहाबाद वार्ड में किराए के मकान में पिछले तीन वर्षों से रहती थी। सुबह बेटे व बेटी कहीं गए थे। घर में सुनीता व उसकी बहू रेशमा मौजूद थी। सुबह करीब 11 बजे कमरे में आग लग गई। जिसमें सुनीता जिंदा जल गई। मौके पर ही उसकी मृत्यु हो गई। लोगों को घटना की जानकारी करीब एक घंटे बाद हुई। मौके पर डॉग स्क्वॉयड पहुंच गई है। साक्ष्य एकत्र करने में जुटी है। फिलहाल बेटे व बहू से घटना की जानकारी ले रही है। सीओ दीपक शुक्ला ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

पुलिस ने बिहार ले जा रही 5 लाख की अवैध शराब पकड़ी

संवाददाता–देवरिया। जिले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए बिहार ले जाई जा रही अवैध शराब को पकड़ा है। मईल थाना पुलिस ने ऑपरेशन प्रहार के तहत पिंडी चौराहे पर वाहनों की चेकिंग के दौरान एक ट्रक से करीब 5 लाख रुपए की अवैध शराब बरामद की है। पुलिस अधीक्षक विक्रांत वीर के निर्देश पर चल रहे अभियान के दौरान रविवार को मईल थाना क्षेत्र में वाहनों की चेकिंग की जा रही थी। चेकिंग देखकर ट्रक चालक वाहन को पिंडी तिराहे पर छोड़कर फरार हो गया।

ट्रक से 69 पेटी देशी शराब बंटी बबली, 13 पेटी बीयर बडवाइजर, 18 पेटी किंग फिशर बीयर और 8 पेटी ऑफिसर च्वाइस अंग्रेजी शराब बरामद हुई। पुलिस ने ट्रक को जब्त कर थाने ले गई। मामले में विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर चालान किया गया है। बरामद ट्रक की कीमत लगभग 25 लाख रुपए आंकी गई है।

कालेज में एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत हुआ पौधरोपण

संवाददाता–महराजगंज। मिठौरा क्षेत्र स्थित जमुना प्रसाद शम्भू प्रसाद इंटरमीडिएट कॉलेज टीकर परिसर में एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रबंधक संध्या त्रिपाठी के नेतृत्व में दर्जनों पौधों का रोपण किया गया, जिसमें फलदार, छायादार तथा औषधीय पौधे शामिल हैं। प्रबंधक ने कहा कि यह पहल न केवल पर्यावरण को संरक्षित करने की दिशा में एक प्रेरक कदम है, बल्कि समाज में पर्यावरणीय चेतना जागृत करने का संदेश भी देती है। प्रधानाचार्य विनय कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण आज के समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। कार्यक्रम में मंडल अध्यक्ष शैलेश पाण्डेय, कुलदीपक त्रिपाठी, राजदीपक त्रिपाठी, कृष्ण मोहन श्रीवास्तव, सर्वेश गुप्ता, अजीत, अरुण, सुनील पटेल, राजकुमार तथा शेषनाथ सहित छात्र–छात्राएं उपस्थित रहीं।

फेयरवेल पार्टी में सांस्कृतिक कार्यक्रमों की धूम

संवाददाता–महराजगंज। नौतनवा कस्बे में स्थित राजीव गांधी कालेज आफ फार्मेसी में फेयरवेल एवं फ्रेशर पार्टी का आयोजन हुआ। इसमें सांस्कृतिक कार्यक्रमों की धूम रही। नृत्य, नाटक, गायन एवं अन्य कलात्मक प्रस्तुतियां की गईं। पार्टी का शुभारंभ कालेज के प्रबंधक डॉ. अजीत मणि त्रिपाठी ने किया। आयान खान की कॉमेडी पर सभी को ठहाके लगाने पर विवश होना पड़ा। प्रबंधक डॉ. त्रिपाठी ने कहा कि कॉलेज में इस तरह के आयोजनों से एक दूसरे को जानने और समझने का अवसर होता है। उन्होंने विद्यार्थियों को भविष्य में आने वाली चुनौतियों का सामना करने के विकल्प बताया। डायरेक्टर शोभाराम साहू ने कहा कि यह एक भावुक क्षण था, जिसमें सभी ने मिलकर पुरानी यादों को ताजा कर एक दूसरे को भविष्य की शुभकामनाएं दी। इस दौरान रैंप वॉक का आयोजन हुआ, जिसमें मिस्टर फेयरवेल शिखर मिश्रा एवं अर्शिया सिद्दीकी मिस फेयरवेल चुनी गईं। जबकि बी फार्मा फोर्थ ईयर के मिस्टर इवनिंग राहुल कुमार, मिस इवनिंग इस जलाल खान चुनी गईं। संचालन नीरज एवं आरुषि शर्मा ने किया। इस दौरान कालेज परिवार के अनंत मणि त्रिपाठी, संजय पांडेय, छाया साहू, राठौर, हरेंद्र प्रसाद, शनि श्रीवास्तव, अमित त्रिपाठी, संजीव यादव , शादिका सिंह, निशा गुप्ता, आरजू खान, आकांक्षा चौरसिया सहित बड़ी संख्या में विद्यार्थी व स्कूल कर्मी मौजूद रहे।

मोहर्रम जुलूस के दौरान दो जगह हुआ विवाद

संवाददाता–कुशीनगर। जिले में मोहर्रम के दौरान रविवार को दो अलग–अलग थाना क्षेत्रों में विवाद हुआ। थाना खड्डा क्षेत्र के गुलरिया रेगुलेटर स्थित प्राचीन शिव मंदिर के सामने पहला विवाद हुआ। हिंदू पक्ष का आरोप है कि ताजिया जुलूस के दौरान मंदिर के सामने इस्लामिक झंडा फहराया गया। साथ ही भड़काऊ गीत और नारे लगाए गए।

कुछ युवकों ने इस घटना को रिकॉर्ड कर सोशल मीडिया पर वीडियो पोस्ट कर दिया। इससे तनाव और बढ़ गया। थाना प्रभारी हर्षवर्धन सिंह ने बताया कि कुछ युवकों को हिरासत में लिया गया है।

दूसरा विवाद रामकोला थाना क्षेत्र के टेकू आटार बाजार में हुआ। यहां डीजे के गाने को लेकर विवाद शुरू हुआ। भगदड़ में 8 वर्षीय एखलाक के सिर में चोट आई। उसका इलाज कराया जा रहा है। दोनों जगह शुरुआत में पुलिस मौजूद नहीं थी। स्थानीय लोगों का आरोप है कि अगर पुलिस समय पर मौजूद होती तो विवाद नहीं बढ़ता। विवाद बढ़ने के बाद पुलिस ने मोर्चा संभाला। अब दोनों जगह स्थिति नियंत्रण में है।

साहू समाज की हुई महत्वपूर्ण बैठक, तीन साल बाद नई कार्यकारिणी बनेगी

संवाददाता–महराजगंज। एक निजी मैरिज हॉल में आयोजित साहू सामाजिक संगठन की बैठक में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। संगठन ने समाज को एकजुट करने और सामूहिक लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए एक मजबूत ढांचा तैयार करने का निर्णय लिया।

बैठक में संसाधनों के प्रभावी उपयोग और आपसी सहयोग को बढ़ावा देने पर जोर दिया गया। संगठन ने तय किया कि वर्तमान कार्यकारिणी के तीन साल के कार्यकाल के बाद नए लोगों को जिम्मेदारी दी जाएगी। इससे संगठन में नई ऊर्जा का संचार होगा।

आने वाले समय में गांधी जयंती कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। साथ ही समाज हित में स्वास्थ्य, शिक्षा और उत्पीड़न जैसे विषयों पर काम किया जाएगा। सदस्यता अभियान को भी तेज करने का निर्णय लिया गया।

बैठक में जिलाध्यक्ष अनिल गुप्ता, महामंत्री डॉ. रामसरन गुप्ता, वरिष्ठ उपाध्यक्ष उदय राज गुप्ता, संरक्षक रामदास गुप्ता, पूर्व चेयरमैन विनोद गुप्ता, ब्रह्मानंद गुप्ता, बैजनाथ गुप्ता, शंभुनाथ गुप्ता, मुन्ना गुप्ता, नीरज उर्फ बबलू गुप्ता, रामानुज गुप्ता, शेषमणि गुप्ता, राजकुमार गुप्ता, खुशहाल गुप्ता, डॉ. अरविंद गुप्ता, महाजन गुप्ता, अनिरुद्ध गुप्ता, बुद्धेश्वरमणि गुप्ता, उमेश गुप्ता, गोविंद गुप्ता और राजेश साहू समेत सैकड़ों की संख्या में समाज के सदस्य उपस्थित रहे।

नेपाल यात्रा करने वाले 4.25 लाख ले जा सकेंगे पर्यटक

संवाददाता–महराजगंज। भारत–नेपाल के बीच गहरे सांस्कृतिक और भौगोलिक संबंधों के चलते पर्यटन, व्यापार और स्वास्थ्य सेवाओं के उद्देश्य से बड़ी संख्या में भारतीय नागरिक प्रतिदिन नेपाल आते–जाते हैं। अब नेपाल सरकार ने भारतीयों को राहत देते हुए नकद ले जाने की सीमा में बड़ी वृद्धि की है, जिससे पर्यटन और व्यापार दोनों क्षेत्रों को नई गति मिलने की उम्मीद है। नेपाल सरकार ने भारतीय पर्यटकों के लिए एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। अब भारतीय नागरिक नेपाल में 4 लाख 25 हजार रुपए तक नकद ले जा सकेंगे। यह निर्णय नेपाल के केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में लिया गया। नेपाल में भारतीय मुद्रा लेकर जाने की सीमा पहले सिर्फ 25,000 रुपए थी। इस सीमा के कारण पर्यटक सीमित खर्च कर पाते थे। व्यापारियों को लेन–देन में मुश्किलें होती थीं। सीमावर्ती क्षेत्रों के मरीजों को इलाज में दिक्कतें आती थीं। अब नेपाल सरकार ने इस सीमा को बढ़ाकर ध्4. 25 लाख कर दिया है। नेपाल के उपप्रधानमंत्री एवं वित्त मंत्री विष्णु प्रसाद पौडेल ने कैबिनेट बैठक के बाद यह जानकारी साझा की। बताया कि भारतीय नागरिक अब 4.25 लाख नकद लेकर नेपाल जा सकते हैं। ट्रैवलर्स चेक या अमेरिकी डॉलर में +5000 तक की अनुमति है। 100 रुपए से ऊपर के भारतीय नोटों पर प्रतिबंध अब भी लागू है। 6 लाख या उससे अधिक विदेशी मुद्रा होने पर कस्टम में लिखित सूचना देना अनिवार्य होगा। उत्तर प्रदेश और बिहार जैसे सीमावर्ती राज्यों से बड़ी संख्या में लोग स्वास्थ्य सेवाओं के लिए नेपाल जाते हैं। कई व्यापारिक गतिविधियां नेपाल के साथ जुड़ी हैं। नेपाल सरकार का यह कदम न सिर्फ व्यापारिक गतिविधियों को प्रोत्साहित करेगा, बल्कि इससे नेपाल का पर्यटन उद्योग भी फिर से पटरी पर लौटेगा। नकद की सीमा बढ़ने से भारतीय पर्यटक अब अधिक आत्मविश्वास के साथ नेपाल यात्रा कर सकेंगे, जिससे होटल, ट्रैवल एजेंसी, गाइड और अन्य स्थानीय व्यवसायों को भी लाभ होगा।

डा. मुखर्जी की जयंती पर भाजपाइयों ने पौधरोपण कर किया नमन

संवाददाता–बलरामपुर। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125 वीं जयंती पर जिले भर में भाजपाइयों ने कार्यक्रम आयोजित किया। भाजपा कार्यकर्ताओं ने पौधारोपण कर लोगों को डॉ. मुखर्जी के आदर्श पर चलने की बात कही। सदर विधानसभा के देहात मंडल 71 के अंतर्गत हरिहरगंज चौराहा पर भाजपा की ओर से संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व मंत्री एवं सदर विधायक पलटू राम ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। विधायक बोले कि डॉ श्यामा प्रसाद प्रखर राष्ट्रवादी विचारक थे। वे हमेशा राष्ट्र के प्रति समर्पित थे। उनकी दूरदर्शिता और बलिदान आज भी हम सभी कार्यकर्ताओं के लिए पथ प्रदर्शक है।

इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष वीरेंद्र कुमार पाठक, उमाशंकर बाबा, अरविंद तिवारी, सेतु बंधु त्रिपाठी, आनंद तिवारी, डॉ प्रांजल त्रिपाठी, ठाकुर प्रसाद शुक्ला, शिवम पाण्डेय, विजय शुक्ला आदि मौजूद रहे। इसी क्रम में उतरौला विधानसभा के नगर मंडल में भाजपाइयों ने पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया। इसके बाद डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी के जयंती पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि भाजपा जिला अध्यक्ष रवि मिश्रा ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी एवं जनसंघ के डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी संस्थापक सदस्य थे। डॉ. मुखर्जी महान शिक्षाविद एवं विचारक थे। उनकी बनाई हुई भाजपा पार्टी आज विश्व की सबसे बड़ी कार्यकर्ताओं की पार्टी बन गई है। इस अवसर पर उतरौला नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि अनूप गुप्ता, जिला उपाध्यक्ष रमेश जायसवाल, नगर अध्यक्ष फणींद्र गुप्ता, अंकुर गुप्ता, विजयपाल वर्मा, गोपाल मोदनवाल, अशोक सोनी, संजय गुप्ता, व ओमप्रकाश गुप्ता आदि मौजूद रहे। वही गैसडी विधानसभा के अंतर्गत मंडल गणेशपुर के पंचायत भवन गनवरिया में डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती मनाई गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व भाजपा जिला अध्यक्ष प्रदीप सिंह ने कार्यकर्ताओं के साथ पौधारोपण किया। मंडल संगोष्ठी में मुख्य अतिथि श्री सिंह ने कहा कि डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता। कार्यक्रम में मंडल अध्यक्ष श्यामू चौधरी, मंडल प्रवासी गुड्डू चौधरी, बृज गोपाल पाण्डेय, संतोष अवस्थी, मोहित पाण्डेय, अरुण यादव, रोहित अग्रवाल व सुनील उपाध्याय सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

कुलपति ने 55 टापर छात्रों को किया गया सम्मानित

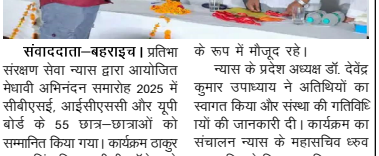

संवाददाता–बहराइच। प्रतिभा संरक्षण सेवा न्यास द्वारा आयोजित मेधावी अभिनंदन समारोह 2025 में सीबीएसई, आईसीएसई और यूपी बोर्ड के 55 छात्र–छात्राओं को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम ठाकुर हुकुम सिंह किसान पीजी कॉलेज के जेबी सिंह सभागार में आयोजित किया गया।

मां पाटेश्वरी विश्वविद्यालय बलरामपुर के कुलपति प्रोफेसर रविशंकर सिंह ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। पयागपुर के विधायक सुभाष त्रिपाठी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। समाजसेवी अशोक जायसवाल, प्रबंध समिति के सचिव मेजर डॉ. एस पी सिंह और प्राचार्य डॉ. विनय सक्सेना विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहे।

न्यास के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. देवेंद्र कुमार उपाध्याय ने अतिथियों का स्वागत किया और संस्था की गतिविधियों की जानकारी दी। कार्यक्रम का संचालन न्यास के महासचिव ध्रुव कुमार मिश्र ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन न्यास के संरक्षक डॉ. घनश्याम बाजपेई ने दिया।

कुलपति रविशंकर ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि सफलता के लिए लक्ष्य निर्धारित करना और निरंतर परिश्रम करना आवश्यक है। उन्होंने छात्रों को शिक्षा के प्रति जागरूक रहने की सलाह दी। कुलपति ने छात्रों को देश का भविष्य बताते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

दो ईंट भट्ठों पर आबकारी विभाग ने मारा छापा

संवाददाता–देवरिया। आबकारी विभाग ने रामपुर कारखाना और तरकुलवा थाना क्षेत्र के ईंट भट्ठों पर छापेमारी की। टीम ने अवैध कच्ची शराब और लहान बरामद की। आबकारी इंस्पेक्टर सुधीर सिंह के नेतृत्व में रामपुर कारखाना थाना क्षेत्र के बैजनाथपुर स्थित जनता मार्क ईंट भट्ठे पर कार्रवाई की गई। यहां से 60 लीटर कच्ची शराब और उसे बनाने के उपकरण मिले। मौके से मुंशी मुस्तफा को गिरफ्तार किया गया। भट्ठा मालिक छेदी राव और मजदूर सहदीर फरार हो गए। तरकुलवा थाना क्षेत्र के वृंदावन स्थित एसकेडी मार्क ईंट भट्ठे पर भी छापा मारा गया। यहां एक महिला संध्या को कच्ची शराब बेचते हुए पकड़ा गया। भट्ठा मालिक संजय मौके से फरार हो गया। गिरफ्तार महिला से पूछताछ में बताई की वह ईंट भट्ठा पर कच्ची बनाकर बेचती है। वह भट्ठा मालिक और मुंशी के संरक्षण में कच्ची बनाने का काम करती है। ईंट भट्ठा पर आने वाले ग्राहकों को कच्ची बेचती है। जिससे अर्जित आय को भट्ठा मालिक और मुंशी भी लेते हैं।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती पर भाजपा नेताओं ने दी श्रद्धांजलि

संवाददाता–देवरिया। भारतीय जनता पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने न्यू कॉलोनी स्थित डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी फिटनेस पार्क में जयंती कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यकर्ताओं ने पार्क की साफ–सफाई की और डॉ मुखर्जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित की।

वरिष्ठ भाजपा नेता आनन्द प्रकाश शाही ने डॉ. मुखर्जी के योगदान को याद किया। उन्होंने कहा कि डॉ. मुखर्जी एक विद्वान के साथ–साथ दूरदर्शी राजनेता और राष्ट्रवादी चिंतक थे। वे भारत की एकता, अखंडता और सांस्कृतिक विरासत की रक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता मानते थे। नेहरू सरकार से मतभेद के बावजूद उन्होंने अपने सिद्धांतों से समझौता नहीं किया।

कश्मीर में धारा 370 लागू होने और भारतीय नागरिकों को बिना परमिट प्रवेश की मनाही के विरोध में उन्होंने श्एक प्रधान, एक निशान, एक विधानश का नारा दिया। इस आंदोलन में उन्होंने अपना बलिदान दिया। निवर्तमान नगर अध्यक्ष संजय पांडेय ने कहा कि आज जब भारत आत्मनिर्भर बनने की ओर बढ़ रहा है, डॉ. मुखर्जी की सोच और नीतियां मार्गदर्शन कर रही हैं।

वरिष्ठ भाजपा नेता दुर्गेश नाथ त्रिपाठी ने कहा कि डॉ मुखर्जी ने राष्ट्र को पहले रखना और जनसेवा को सर्वोच्च धर्म मानना सिखाया। कार्यक्रम में जिला मीडिया प्रभारी प्रभाकर तिवारी, पूर्व मीडिया प्रभारी अंबिकेश पांडे, अखिलेश मिश्रा एडवोकेट, किसान मोर्चा के मीडिया प्रभारी अजय दुबे वत्स समेत कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

आज से पंखुड़ी जाएगी स्कूल, सीएम योगी ने दिया था भरोसा

संवाददाता—गोरखपुर। एक तारीख को जनता दर्शन के दौरान अपनी पढ़ाई और सीएम योगी के संग सेल्फी की मांग करने वाली पंखुड़ी के दोनों सपने पूरे होने जा रहे हैं। सीएम योगी ने सेल्फी को मौके पर ही पंखुड़ी के साथ खिंचवाई थी। अब सोमवार को उसका स्कूल में दाखिला भी हो जाएगा।

जिलाधिकारी कृष्णा करुणेश ने एक तारीख को ही पंखुड़ी के प्रार्थना पत्र को जिम्मेदार अधिकारियों के पास भेज दिया था। डीआईओएस अमर कांत सिंह ने बताया कि सोमवार को पंखुड़ी का प्रवेश स्कूल में कराए जाने का फैसला लिया गया था। पंखुड़ी ने 1 जुलाई को गोरखनाथ मंदिर में जनता दरबार गई थी। सीएम योगी से फीस माफ कराने की बात की थी। खुद सीएम ने फीस माफ कराने का निर्देश अधिकारियों को दिया था। पंखुड़ी ने सीएम के साथ फोटो खिंचाई थी। सीएम ने कहा था— मेहनत से पढ़ाई करना। इसके बाद डीएम की तरफ से प्रार्थना पत्र को संबंधित विभाग के अधिकारियों के पास भेजा गया था।

इस दौरान जांच आख्या और विषय के संबंध में पूरी एक रिपोर्ट तैयार की गई। शिक्षा विभाग और स्कूल प्रबंधन से बातकर सोमवार को दाखिला कराए जाने का फैसला लिया गया था। डीआईओएस अमर कांत सिंह ने बताया कि इस प्रकरण में प्राप्त निर्देशानुसार प्रधानाचार्य के द्वारा रविवार के उपरांत प्रवेश करने के लिए तय किया गया था। 7 जुलाई, दिन सोमवार को छात्रा का प्रवेश सरस्वती विद्या मंदिर पक्की बाग में पूर्ण कराया जाएगा। इस संबंध में छात्रा के अभिभावक को भी सूचित भी कर दिया गया है। दरअसल, गोरखपुर प्रवास के दौरान एक जुलाई को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सुबह गोरखनाथ मंदिर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के सभागार में लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुन रहे थे। समस्याओं के निस्तारण के लिए अफसरों को निर्देशित कर रहे थे। मुलाकात करने वाले लोगों की कतार में कक्षा सात में पढ़ने वाली कोतवाली इलाके के पुरदिलपुर की रहने वाली बच्ची पंखुड़ी त्रिपाठी भी बैठी थी। मुख्यमंत्री जब पंखुड़ी के पास पहुंचे तो उन्हें प्रार्थना पत्र देते हुए पंखुड़ी बोल पड़ी।

महाराज जी, मैं पढ़ना चाहती हूं, फीस माफ करवा दीजिए या फीस का इंतजाम करा दीजिए। मुख्यमंत्री रुक गए और आत्मीयता से संवाद कर पंखुड़ी की सारी परेशानी जानी। पंखुड़ी ने बताया कि वह एक इंग्लिश मीडियम स्कूल में पढ़ती है। पिता राजीव त्रिपाठी के दिव्यांग हो जाने से परिवार आर्थिक रूप से काफी कमजोर हो गया है। मां मीनाक्षी एक शॉप पर नौकरी कर रही हैं। उसके अलावा कक्षा 12 में पढ़ने वाला भाई भी है। पंखुड़ी ने बताया कि फीस न जमा कर पाने के कारण आज वह स्कूल जाने की बजाय मुख्यमंत्री के पास मदद की गुहार लेकर आई है। पंखुड़ी के पिता राजीव त्रिपाठी ने बताया कि विपक्षी पार्टी की तरफ से डेलीगेशन के मिलने और आर्थिक मदद देने की बात कही गई थी। हमें और परिवार को सीएम योगी पर विश्वास था तभी हम जनता दर्शन में गए थे। हमने डेलीगेशन से साफ मना कर दिया। शिक्षा विभाग की तरफ से भी फोन कर जानकारी दी गई है। प्रक्रिया पूरी कर ली गई है और हम पूरा तरह प्रशासन के सहयोग से संतुष्ट हैं। बेटी की पढ़ाई आगे जारी रहे इससे बड़ी खुशी और क्या होगी। शिक्षा विभाग की तरफ से फोन कर कहा गया है कि सोमवार को बेटी को लेकर स्कूल चले जाएं और प्रवेश करवाएं। हम आजीवन इस सहयोग के आभारी रहेंगे।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की स्मृति में विचार गोष्ठी, पूर्व विधायक और भाजपा नेताओं ने दी श्रद्धांजलि

संवाददाता—अम्बेडकरनगर। भारतीय जनता पार्टी हंसवर मंडल ने डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस पर विचार गोष्ठी का आयोजन किया। हंसवर दुर्गा मंदिर परिसर में रविवार शाम 4 बजे आयोजित कार्यक्रम में आलापुर की पूर्व विधायक अनीता कमल मुख्य अतिथि रहीं। मंडल अध्यक्ष स्वदेश गौतम के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में भाजपा जिलाउपाध्यक्ष मनोज मिश्रा विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे। मंडल महामंत्री अनूप गोस्वामी ने कार्यक्रम का संचालन किया। पूर्व विधायक अनीता कमल ने कहा कि डॉ मुखर्जी ने देश की एकता और अखंडता के लिए अपने प्राणों की आहुति दी। उन्होंने कहा कि एक देश में दो विधान, दो निशान, दो प्रधान नहीं चलेंगे का नारा आज भी प्रासंगिक है।

भाजपा जिलाउपाध्यक्ष मनोज मिश्रा ने कहा कि डॉ मुखर्जी का बलिदान भारत की राष्ट्रीय चेतना का उद्घोष था। उन्होंने कहा कि समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास और न्याय पहुंचाना होगा।

कार्यक्रम में पूर्व मंडल अध्यक्ष सुग्रीम कनौजिया, जवाहिर मौर्य, पिछड़ा मोर्चा जिला अध्यक्ष विजय विश्वकर्मा समेत कई कार्यकर्ता मौजूद रहे। सभी वक्ताओं ने डॉ मुखर्जी के राष्ट्रवादी विचारों को आत्मसात करने का संकल्प लिया। मंडल अध्यक्ष स्वदेश गौतम के आभार ज्ञापन के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ।

मुख्यमंत्री जन आरोग्य मेले में 210 मरीजों की हुई जांच

संवाददाता—सिद्धार्थनगर। इटवा और खुनियांव में रविवार को आयोजित मुख्यमंत्री जन आरोग्य मेले में स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति उजागर हुई। कुल 10 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में से केवल 4 में डॉक्टर मौजूद थे। शेष 6 अस्पतालों में फार्मासिस्ट ने मरीजों की जांच की। इटवा ब्लॉक के चार अस्पतालों में 87 मरीजों की जांच हुई। झकहिया पीएचसी में फार्मासिस्ट गणेश प्रसाद दुबे ने 25 मरीजों को देखा। जिगिना पीएचसी में डॉ. संजीव ने 23, कठेला में डॉ. विकास त्रिपाठी ने 19 और भदोखर पीएचसी में फार्मासिस्ट विजय सिंह ने 20 मरीजों की जांच की। खुनियांव विकास खंड में 123 मरीज पहुंचे। बढ़या पीएचसी में डॉ. देवव्रत राव ने 20, बल्लीजोत में प्रदीप उपाध्याय ने 21, मिठौवा में डीबी राय ने 23, टोबहा में आलोक गुप्ता ने 21, पचमोहनी में डॉ. अमरेंद्र चौरसिया ने 23 और मधवापुर कला में परमात्मा गुप्ता ने 15 मरीजों की जांच की। मौसम में लगातार बदलाव के कारण अस्पतालों में मरीजों की संख्या बढ़ी है। जुकाम, बुखार और मौसमी बीमारियों के मरीज अधिक संख्या में पहुंचे।

फंदे से लटकती मिली स्टाफ नर्स, पति को छोड़ दूसरे युवक के साथ रह रही थी

संवाददाता—अयोध्या। सौ शैय्या संयुक्त चिकित्सालय कुमारगंज में कार्यरत स्टाफ नर्स सीमा श्रीवास्तव (36) की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। उनका शव अस्पताल परिसर में स्थित आवास में फंदे से लटकता पाया गया। इस घटना ने अस्पताल प्रशासन और स्थानीय पुलिस को हिलाकर रख दिया है। प्रारंभिक जांच में पुलिस ने इसे आत्महत्या का मामला माना है, लेकिन पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है ताकि मौत के सटीक कारणों का पता चल सके। मिली जानकारी के मुताबिक, सीमा श्रीवास्तव, जो मूल रूप से गोटसरा, कादीपुर, सुल्तानपुर की रहने वाली थीं, कई वर्षों से कुमारगंज के संयुक्त चिकित्सालय में स्टाफ नर्स के पद पर कार्यरत थीं। वह अस्पताल परिसर में ही बने आवास में रहती थीं। बताया जाता है कि घटना के दिन जब लंबे समय तक उनके आवास का दरवाजा नहीं खुला, तो सहकर्मियों को संदेह हुआ। अन्य स्वास्थ्य कर्मियों ने दरवाजे पर आवाज दी, लेकिन कोई जवाब न मिलने पर दरवाजा धक्का देकर खोला गया। अंदर का दृश्य देखकर सभी सन्न रह गए। सीमा का शव पंखे से रस्सी के सहारे लटक रहा था।

घटना की सूचना तुरंत अस्पताल प्रशासन को दी गई, जिसके बाद थानाध्यक्ष कुमारगंज ओम प्रकाश और चौकी इंचार्ज अभय सिंह, महिला उप निरीक्षक पूजा रायकवार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचीं। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरा और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

मृतका स्टाफ नर्स की 13 वर्षीय बेटी ने बताया कि जब हम मम्मी के साथ रह करके पढ़ाई करती थी। तो एक लड़का आता था और मम्मी के साथ रहता था उसका नाम अमित सिंह इन्हीं के साथ रहता था और उसके दो दोस्त आते थे डब्बू सिंह और महेंद्र सिंह वह लोग कहते थे। भाभी जवाब कहिए तो हम भूपेंद्र श्रीवास्तव को मरवा दूं। तब हमारी मम्मी कहती थी। जब टाइम आएगा तब हम बताऊंगी। यही सब मारपीट की बात होती थी। उसने बताया कि उसके बाद मैंने पापा को बुलाकर उनके साथ चली गई कब से वही रह रही थी। थानाध्यक्ष ओम प्रकाश ने बताया कि प्रारंभिक जांच में मामला आत्महत्या प्रतीत हो रहा है, लेकिन पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही मौत के सही कारणों का पता चल सकेगा।

पुलिस के अनुसार, सीमा श्रीवास्तव का अपने पति भूपेंद्र श्रीवास्तव के साथ लंबे समय से विवाद चल रहा था। पिछले एक वर्ष से वह अमेठी के कोरारी निवासी अमित कुमार सिंह के साथ रह रही थीं। घटना के बाद से अमित कुमार सिंह फरार हैं, जिसके कारण पुलिस को उन पर संदेह है। पुलिस ने अमित की तलाश शुरू कर दी है और इस मामले में उनकी भूमिका की जांच की जा रही है।

आलापुर-जहांगीरगंज में शांतिपूर्वक निकले ताजिया जुलूस, पुलिस रही मुस्तैद

संवाददाता—अम्बेडकरनगर। रविवार को मोहर्रम का त्योहार शांतिपूर्वक मनाया गया। आलापुर और जहांगीरगंज थाना क्षेत्र के विभिन्न गांवों में पारंपरिक रूप से ताजिया जुलूस निकाले गए।

आलापुर थाना क्षेत्र के इंदईपुर, अछती और हथिनाराज गांवों में थाना प्रभारी राकेश कुमार पुलिस बल के साथ मौजूद रहे। उन्होंने कार्यक्रम की निगरानी की। राकेश कुमार ने कहा कि उनका लक्ष्य सुरक्षा के साथ-साथ सांप्रदायिक सौहार्द बनाए रखना था।

जहांगीरगंज क्षेत्र की ग्रामसभा माडरमऊ में भी जुलूस अनुशासित तरीके से निकला। बिडहर चौकी प्रभारी धीरेंद्र कुमार आजाद रात भर ड्यूटी पर रहे। जहांगीरगंज थानाध्यक्ष अजय प्रताप यादव ने बताया कि पूरे क्षेत्र में कोई विवाद नहीं हुआ।

स्थानीय निवासी मो. लइक खान, अब्दुल कलाम, अजीम और कामरान ने प्रशासन की व्यवस्था की सराहना की। ग्रामसभा रामपुर मलिकपुर तेतरिया में राजस्व निरीक्षक दिलीप कुमार चौधरी और लेखपाल ने भी स्थिति का जायजा लिया।

सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम के तहत फायर ब्रिगेड की गाड़ियां और अतिरिक्त पुलिस बल तैनात रहा। सभी धार्मिक कार्यक्रम श्रद्धा और शांति के साथ संपन्न हुए।

चैनपुर गांव से रविवार शाम 5 बजे मोहर्रम का ताजिया जुलूस निकाला गया। जुलूस कर्बला सकरादक्षिण नगहरा की ओर रवाना हुआ। मार्ग की स्थिति अत्यंत खराब है। आरसीसी मार्ग तालाब जैसा दिख रहा है। स्थानीय लोगों ने शासन-प्रशासन को कई बार इस मार्ग की दुर्दशा की शिकायत की। लेकिन अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। शोक और गमगीन माहौल में निकले जुलूस में मोहम्मद शहजाद, वहाब, हारिफ और निन्ही समेत कई पुरुष और महिलाएं शामिल हुए। सभी लोगों ने खराब रास्ते से गुजरते हुए भी ताजिया जुलूस में हिस्सा लिया।

पूर्व कार्यवाहक सीएमओ का 10 साल बाद कमरा खुला तो मिले 22.48 लाख के पुराने नोट

संवाददाता—अम्बेडकरनगर। सरकारी आवास में वर्ष 2014 में संदिग्धावस्था में मृत अपर मुख्य चिकित्साधिकारी रहे डॉक्टर ब्रह्मनारायण तिवारी (बीएन तिवारी) का सरकारी आवास साढ़े दस वर्ष बाद खोला गया। इतने लंबे अंतराल के बाद खोला गया आवास काफी जर्जर हो गया है। जिलाधिकारी की अनुमति पर बीते शुक्रवार को टीम ने जब डॉक्टर के आवास की जांच की तो सभी के होश उड़ गए। कमरे में 22 लाख 48 हजार पांच रुपये कैश बरामद हुआ। धनराशि को जिला कोषागार में सुरक्षित रखा गया है। उनके आवास में फ्रिज चालू स्थिति में मिला। संदिग्ध परिस्थितियों में एसीएमओ की मौत के बाद से कमरा बंद था। प्रतापगढ़ के रामगढ़ा के डॉ. बीएन तिवारी 28 अगस्त वर्ष 2007 को स्थानांतरित होकर अंबेडकरनगर के मुख्य चिकित्साधिकारी कार्यालय में अपर मुख्य चिकित्साधिकारी पद पर तैनात हुए थे। वह सीएचसी मीरानपुर में बने चार चिकित्साधिकारी के आवासों में भूतल के पश्चिमी आवास में अकेले रहते थे। डॉ. बीएन तिवारी 29 जनवरी 2014 को संदिग्धावस्था में अपने सरकारी आवास में मृत पाए गए थे। सुबह ताला तोड़कर शव निकाला गया और उसी दिन शाम को उस कमरे में विभाग ने ताला लगा दिया था। उनका आवास लगभग साढ़े 10 वर्ष तक बंद था।

इसी बीच आवासों का मरम्मत करने के लिए सीएमओ डॉ. संजय कुमार शैवाल ने जिलाधिकारी अनुपम शुक्ल से वार्ता कर आवास खुलवाने की अनुमति मांगी। दो सदस्यीय टीम के समक्ष कमरा खुलवाने की सहमति बनी। उक्त टीम में शामिल डिप्टी सीएमओ डॉ. मनोज कुमार एवं डॉ. मारकंडेय प्रसाद ने वीडियो रिकार्डिंग के बीच कमरा खोला गया। सहयोगी के रूप में स्टोर कीपर हरिगोविंद एवं स्वास्थ्य पर्यवेक्षक पारसनाथ रहे। कमरे में घरेलू वस्तुओं के साथ पुराने एक हजार व 500 रुपये के नोटों की गड्डियां बिस्तर के नीचे बिछाई मिली और कुछ अलमारी में भी पाई गई। इसमें एक हजार रुपये की नोटों की गड्डी में 7,76,000 रुपये तथा 500 रुपये की नोटों की गड्डी में 14,72,500 रुपये संग पांच रुपये का एक सिक्का मिला। उक्त धनराशि को एसबीआइ शाखा अकबरपुर भेजा गया, वहां पर पुराना नोट होने से जमा नहीं हो सका। ऐसे में उक्त धनराशि को कोषागार में जमा कराया गया है। सीएमओ डा. संजय कुमार शैवाल ने बताया कि बरामद सामानों की सूची बनाकर मृतक एसीएमओ के स्वजनों को सूचित कर सौंपा जाएगा।

दिवंगत एसीएमओ का बंद आवास खोलने से पहले सीएमओ ने पुलिस को अवगत कराते हुए उक्त घटना को लेकर अकबरपुर कोतवाली में केस दर्ज होने की जानकारी मांगने के साथ अवगत कराया था। पुलिस ने कोई मुकदमा दर्ज होने की पुष्टि किया। डॉ. बीएन तिवारी की मृत्यु के बाद पांच सीएमओ ने कार्यभार संभाला, लेकिन किसी ने उनके आवास को खुलवाने का प्रयास नहीं किया। सीएमओ ने बताया कि उक्त प्रकरण में पुलिस में कोई अभियोग पंजीकृत नहीं है।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी को किया याद

संवाददाता—सिद्धार्थनगर। नौगढ़ ब्लाक सभागार में भारतीय जनता पार्टी ने जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के व्यक्तित्व और कृतित्व पर विशेष संगोष्ठी आयोजित की। कार्यक्रम में पूर्व विधायक राघवेन्द्र प्रताप सिंह मुख्य अतिथि रहे। संगोष्ठी में डॉ. मुखर्जी के राष्ट्रहित में दिए गए योगदान को याद किया गया। विशेष रूप से जम्मू-कश्मीर को भारत का अभिन्न अंग बनाने के लिए उनके संघर्ष को श्रद्धापूर्वक स्मरण किया गया। कार्यक्रम में उनका प्रसिद्ध कथन एक देश में दो विधान, दो प्रधान और दो निशान नहीं चलेंगे को याद किया गया। कार्यक्रम में मंडल अध्यक्ष सोनू गुप्ता, मंडल महामंत्री अजय गुप्ता, प्रधान संघ ब्लाक अध्यक्ष गगा मिश्रा और नौगढ़ ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि राजेश मिश्रा उपस्थित रहे। इस अवसर पर एक पेड़ मां के नाम वृक्षारोपण भी किया गया। कार्यक्रम में अनिल चौधरी, नरेंद्र चौधरी, रमेश जायसवाल, गुलाब जायसवाल, रविन्द्र मौर्या, जफर, अभय जीत त्रिपाठी सहित पार्टी के वरिष्ठ कार्यकर्ता और पदाधिकारी मौजूद रहे।

सीएचसी अधीक्षक ने झांसा देकर नर्स से बनाए संबंध, वीडियो भी बनाया, गर्भवती होने पर करा दिया गर्भपात

संवाददाता—अयोध्या। विवाहित स्टाफ नर्स ने सीएचसी अधीक्षक रहे डॉ. महिपाल सिंह पर शादी का झांसा देकर यौन शोषण करने का आरोप लगाया है। पीड़िता का आरोप है कि अधीक्षक ने उसके अश्लील वीडियो भी बनाए। गर्भवती होने पर गर्भपात करा दिया। पीड़िता की तहरीर पर डॉ. महिपाल सिंह के खिलाफ केस दर्ज किया गया है।

मामला हैदरगंज थाना क्षेत्र स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का है। यहां पूर्व में तैनात स्टाफ नर्स ने पूर्व अधीक्षक डॉ. महिपाल पर गंभीर आरोप लगाए हैं। नर्स का आरोप है कि डॉ. महिपाल ने शादी का झांसा देकर उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए। उसके अश्लील वीडियो बनाकर उसे ब्लैकमेल भी करते रहे।

पीडिता ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को शिकायती पत्र दिया। इसके बाद पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. सुशील कुमार बनियान ने बताया कि शिकायत मिलने के बाद स्टाफ नर्स को सीएचसी सुनवा और डॉ. महिपाल को देवगांव अस्पताल भेज दिया गया था।

एसएसबी ने जब्त किए 7.52 लाख रुपए

संवाददाता—सिद्धार्थनगर। सशस्त्र सीमा बल की 43वीं वाहिनी ने नेपाल से अवैध तरीके से भारत में रुपए लाने के मामले में बड़ी कार्रवाई की है। एसएसबी और पुलिस के जवानों ने सीमा चौकी ककरहवा के चेक पोस्ट पर 7.52 लाख रुपए के साथ 5 लोगों को पकड़ा है।

जांच के दौरान नेपाल से आ रही एक कार को रोका गया। कार की तलाशी में 6 लाख रुपए और एक व्यक्ति की जेब से 1.52 लाख रुपए बरामद हुए। पकड़े गए लोगों के पास इस राशि से संबंधित कोई वैध दस्तावेज नहीं मिले। पूछताछ में उन्होंने बताया कि यह पैसा नेपाल के भैरहवा स्थित टाइगर कैसीनो में जुआ खेलकर जीता है।

पकड़े गए लोगों में मऊ जिले के प्रवीण कुमार यादव (27), मुकेश तिवारी (28), अभिषेक तिवारी (26), गोरखपुर के वसीम अहमद (27) और मऊ के अरुण यादव (28) शामिल हैं। एसएसबी ने बरामद राशि और कार को जब्त कर सभी आरोपियों को सीमा शुल्क कार्यालय ककरहवा के हवाले कर दिया है।

एसएसबी के अनुसार, 43वीं वाहिनी भारत-नेपाल सीमा पर तस्करी और अन्य अपराधों की रोकथाम के लिए लगातार काम कर रही है। वाहिनी अवैध सामान, मानव तस्करी, नशीली दवाओं, अवैध मुद्रा और वन्य जीव उत्पादों की तस्करी पर नजर रख रही है।

बिजली के तार से स्कूल पर खतरा

संवाददाता—संतकबीर नगर। सांथा ब्लॉक स्थित बनैथू गांव के कंपोजिट विद्यालय परिसर के ऊपर से गुजर रहा 11 हजार वोल्ट का बिजली का तार विद्यार्थियों के लिए खतरा बन गया है। विद्यालय के प्रधानाध्यापक मोहम्मद इस्माइल खान ने बताया कि इस समस्या को लेकर बिजली विभाग को तीन बार लिखित शिकायत की जा चुकी है। तेज हवा चलने पर बिजली के तार आपस में टकराते हैं और चिंगारियां निकलती हैं। इससे तार टूटने का खतरा बना रहता है। स्कूल के बच्चे खेल के दौरान इस खतरे की चपेट में आ सकते हैं।

गांव के निवासी निसार अहमद, अबरार, निशाकांत तिवारी, अतीक अहमद और मोहम्मद अहमद समेत कई लोगों ने इस समस्या पर चिंता जताई है। गांववासियों और विद्यालय के अभिभावकों ने जिलाधिकारी से इस समस्या के समाधान की मांग की है। इस मामले में अधिशासी अभियंता पीके गुप्ता ने बताया कि विभाग को अनुरोध पत्र मिल गया है। उन्होंने आश्वासन दिया है कि जल्द ही 11 हजार वोल्ट के बिजली के तार को हटाने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी, ताकि किसी बड़ी दुर्घटना से बचा जा सके।

अजादारों ने दी शहादतों को सलामी, या हुसैन की सदाएं गूंजीं

संवाददाता—संतकबीर नगर। सुरैना में यौमे आशूरा के मौके पर कर्बला की याद में विशाल ताजिया जुलूस निकाला गया। इमामबाड़े से शुरू हुआ जुलूस परंपरागत मार्ग से होते हुए कर्बला की ओर बढ़ा। अंजुमन-ए-आब्दिया समेत विभिन्न अंजुमनों ने रास्ते भर नौहा व मातम पेश किया। जुलूस में शामिल अजादारों के चेहरों पर आंसू थे। बच्चे, बुजुर्ग, महिलाएं और युवा सभी गम-ए-हुसैन में डूबे नजर आए। जुलूस मार्ग पर सबील, ठंडा पानी और शरबत की व्यवस्था की गई थी। लोगों ने मार्ग में खड़े होकर अलम का दीदार किया। मजलिस में मौलाना कुमैल रिजवी ने कहा कि यौमे आशूरा इंसाफ, सब्र और हक के लिए जान कुर्बान करने का दिन है। कर्बला पहुंचने पर श्रद्धालुओं ने अली अकबर और अब्बास की शहादत को याद किया। स्थानीय प्रशासन, पुलिस बल, स्वास्थ्य कर्मी और स्वयंसेवक पूरे समय सतर्क रहे। कार्यक्रम में ग्राम प्रधान अमरनाथ यादव, तनसीम हैदर, सैयद सईद हैदर, एडवोकेट हसन रजा, नकी हैदर, सज्जाद हैदर समेत कई गणमान्य लोग मौजूद रहे।

रविवार को मोहर्रम के दसवें दिन अकीदतमंदों ने मातम मनाया। ताजिया जुलूस कर्बला में समाप्त हुआ। इस अवसर पर विभिन्न स्थानों पर लंगर का आयोजन किया गया। महुली कस्बा में केजीएम कमेटी ने कई स्थानों पर लंगर की व्यवस्था की। यहां सैदाइयों और राहगीरों को शर्बत वितरित किया गया।

अब्दुल्लाह, कामिल, मोहम्मद तारिक, मोहम्मद शरीफ, शारिब, आदिल हुसैन, जमशेद, रेहान अहमद, गोलू, शमीम, विकास, फरहाद और शाहिद ने बताया कि दसवें दिन शर्बत वितरण एक पारंपरिक प्रथा है। यह इमाम हुसैन की स्मृति में की जाती है। इस सेवा कार्य को इमाम हुसैन की शहादत को श्रद्धांजलि देने का माध्यम माना जाता है।

लहुरादेवा के ग्रामीण परेशान, सड़क पर की धान की रोपाई

संवाददाता—संतकबीर नगर। जिले के विकास खण्ड सेमरियावां क्षेत्र के लहुरादेवा गांव में जाने वाली मुख्य सड़क पर जमा कीचड़ से ग्रामीण गिरकर चोटिल हो जाते हैं। जिसे देखते हुए कुछ ग्रामीणों ने सड़क पर ही धान की रोपाई कर दी जिसे फेसबुक पर वीडियो बनाकर अपलोड कर दिया जिसे लेकर चौराहों पर दिन भर खूब चर्चा का विषय बना रहा। लहुरा देवा गांव से जिला मुख्यालय को जोड़ने वाली सड़क की हालत बदहाल है। जलभराव और गड्ढों से परेशान ग्रामीणों ने विरोध में सड़क पर धान की रोपाई कर प्रशासन का ध्यान खींचा। यह सड़क लंबे समय से खराब है। बरसात में हालात और बिगड़ जाते हैं। राहगीरों को भारी मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। स्कूली छात्र-छात्राएं रोजाना इस सड़क से गुजरते हैं। कई बार वे गड्ढों में गिर जाते हैं। फिर भी प्रशासन और जनप्रतिनिधियों ने इस ओर ध्यान नहीं दिया।

सूचना

मैं प्रिंस सिंह पुत्र अजय सिंह ग्राम कटास, पोस्ट गौर, थाना गौर, जनपद बस्ती का निवासी हूं। मेरे आधार कार्ड में घर का नाम हर्ष सिंह हो गया है, जो गलत है। जबकि मेरे सभी दस्तावेजों में मेरा नाम प्रिंस सिंह अंकित है, जो सही व सत्य है। मुझे प्रिंस सिंह के नाम से जाना पहचाना जाए।

नाम परिवर्तन सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा पुराना नाम जय प्रकाश पुत्र स्वर्गीय मोतीराम जाति बनिया उम्र 52 वर्ष निवासी इटैलिया थाना पुरानी बस्ती जनपद बस्ती था । यह नाम मुझसे सम्बन्धित सभी विधिक अभिलेखों में दर्ज है। मैंने स्वेच्छा से कुछ वर्ष पहले अपना नाम बदलकर नियाज अहमद पुत्र स्वर्गीय मोतीराम निवासी इटैलिया थाना पुरानी बस्ती रख लिया था। मैंने आधारकार्ड में अपना नाम परिवर्तित करा लिया था। मैंने पुनः 30–6–2025 से अपना नाम जय प्रकाश पुत्र स्वर्गीय मोतीराम जाति बनिया उम्र 52 वर्ष निवासी इटैलिया थाना पुरानी बस्ती जनपद कर लिया है। अब मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जाय। और आधारकार्ड सहित सभी अभिलेखो में यही नाम दर्ज किया जाय।

हल्लौर कस्बे में श्रद्धालुओं ने किया मातम, ताजियों को कर्बला में किया दफन

संवाददाता—सिद्धार्थनगर। डुमरियागंज तहसील क्षेत्र के हल्लौर कस्बे में रोजे आशूरा पर मोहर्रम मनाया गया। शिया बाहुल्य इस कस्बे में करीब 20 हजार श्रद्धालुओं ने कार्यक्रम में हिस्सा लिया। शनिवार रात को कस्बे में छोटे-बड़े ताजिए रखे गए। इमाम बाड़े की चौक पर बड़ा ताजिया स्थापित किया गया। श्रद्धालुओं ने रात भर दर्शन और परिक्रमा की। सुबह साढ़े चार बजे नमाज के बाद मातमदारों ने दरगाह प्रांगण में जलते अंगारों पर नंगे पैर चलकर मातम किया। फरोग मातम व गुलदस्ता मातम के बैनर तले मातमी जुलूस निकाला गया। जुलूस सुबह 9 बजे इमामबाड़ा नादिर पर समाप्त हुआ। श्रद्धालुओं ने कस्बे के उत्तर पुला की बाग में यौमे आशूरा की विशेष नमाज अदा की। मुख्य चौराहे पर आयोजित मजलिस में जाकिर जमाल हैदर और अजीम हैदर ने कर्बला के वाकए का वर्णन किया। मजलिस के बाद नोहा-मातम व जंजीर, कमा का मातम हुआ। दोपहर दो बजे के बाद तजियादारों ने ताजियों को पश्चिम स्थित कर्बला में दफन किया। डुमरियागंज, बैदोला, सेमुआडीह समेत आसपास के कई गांवों में भी मोहर्रम परंपरागत तरीके से मनाया गया।

दैनिक भारतीय बस्ती

संस्थापक सम्पादक स्व. दिनेश चन्द्र पाण्डेय

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

प्रबन्ध सम्पादक—दिनेश सिंह
संयुक्त सम्पादक—प्रदीप चन्द्र पाण्डेय
अयोध्या—फैजाबाद कार्यालय—
चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या—फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय—
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय—
इलाहीबाग गोरखपुर।
मो09450567450 9336715406,
ई.मेलbhartiyabasti@yahoo.com
bhartiyabasti@gmail.com